राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 14 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-321 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जनता को समर्पित

मोदी ने कहा-काशी में डमरूवाले की सरकार

वाराणसी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को काशी श्विनाथ कॉरिडोर को जनता को समर्पित किया। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के इस जीते जागते धरोहर को सौंपने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मेरे प्यारे काशीवासियों और देश-विदेश से इस अवसर के साक्षी बन रहे सभी श्रद्धालुजन। बाबा विश्वनाथ के चरणों में हम शीश नवावत हैं। माता अन्नपूर्णा के चरणन के बार-बार वंदन करत हैं। अभी मैं बाबा के साथ-साथ नगर कोतवाल काल भैरव जी के दर्शन करके आ रहा हूं। देशवासियों के लिए उनका आशीर्वाद लेकर आ रहा हूं। काशी में कुछ भी खास हो, कुछ भी नया हो तो सबसे पहले उनसे पूछना आवश्यक है। मैं काशी के कोतवाल के चरणों में भी प्रणाम करता हूं। इससे पहले मोदी ने मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ पूजा-पाठ की और मंदिर के निर्माण में शामिल मजदूरों पर पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया और उनके साथ सीढ़ी पर बैठ फोटो भी खिंचाई। मोदी ने यहां धर्माचार्

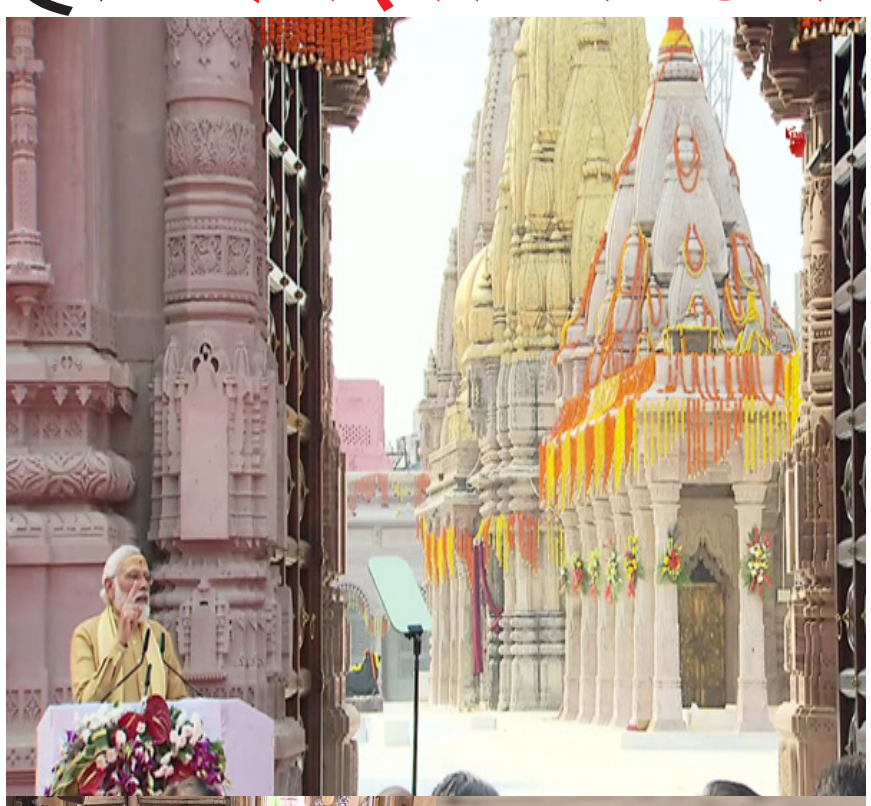

मोदी ने कहा-काशी में डमरूवाले की सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को काशी श्विनाथ कॉरिडोर को जनता को समर्पित किया। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के इस जीते जागते धरोहर को सौंपने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मेरे प्यारे काशीवासियों और देश-विदेश से इस अवसर के साक्षी बन रहे सभी श्रद्धालुजन। बाबा विश्वनाथ के चरणों में हम शीश नवावत हैं। माता अन्नपूर्णा के चरणन के बार-बार वंदन करत हैं। अभी मैं बाबा के साथ-साथ नगर कोतवाल काल भैरव जी के दर्शन करके आ रहा हूं। देशवासियों के लिए उनका आशीर्वाद लेकर आ रहा हूं। काशी में कुछ भी खास हो, कुछ भी नया हो तो सबसे पहले उनसे पूछना आवश्यक है। मैं काशी के कोतवाल के चरणों में भी प्रणाम करता हूं। इससे पहले मोदी ने मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ पूजा-पाठ की और मंदिर के निर्माण में शामिल मजदूरों पर पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया और उनके साथ सीढ़ी पर बैठ फोटो भी खिंचाई। मोदी ने यहां धर्माचार्यों और विशिष्टजनों से संवाद किया। कॉरीडोर के लोकार्पण का शुभ मुहूर्त रेवती नक्षत्र में दोपहर 1.37 बजे से 1.57 बजे तक 20 मिनट का था। मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत बाबा विश्वनाथ को प्रणाम करने के साथ की। मोदी ने कहा, हम बाबा विश्वनाथ दरबार से देश-दुनिया के उन श्रद्धालु जनन के प्रणाम करत हैं, जो इस अवसर के साक्षी बनत हन। काशीवासियन का प्रणाम जिनके सहयोग से ई घड़ी आयल है। आप सब लोगन के बहुत-बहुत बधाई हो।

3 हजार वर्गफीट से 5 लाख वर्गफीट का हुआ कैंपस

प्रधानमंत्री ने कहा, गंगा उत्तरवाहिनी होकर विश्वनाथ के पांव पखारने आती हैं, वे भी बहुत प्रसन्न होंगी। मां गंगा को स्पर्श करती हुई हवा बाबा को प्रणाम करते वक्तस्नेह देगी। गंगा उन्मुक्त होंगी तो बाबा के ध्यान में गंगतरंगों की कलकल का दैवीय अनुभव भी होगा। बाबा विश्वनाथ सबके हैं, मां गंगा सबकी हैं। उनका आशीर्वाद सबके लिए है। समय और परिस्थितियों के चलते बाबा और गंगा की सेवा की ये सुलभता मुश्किल हो चली थी पर रास्तों की मुश्किल हो गई थी। विश्वनाथ धाम के पूरा होने से यहां हर किसी के लिए पहुंचना सुगम हो गया है। हमारे बुजुर्ग माता पिता बोट से जेटी तक आएंगे, जेटी से एक्सेलेटर हैं, वहां से मंदिर तक आएंगे। दर्शन के लिए घंटों तक का इंतजार और परेशानी अब कम होगी। पहले यहां मंदिर क्षेत्र केवल ३ हजार वर्गफीट में था, वह अब करीब 5 लाख वर्गफीट का हो गया है।

जिसके हाथ में डमरू काशी में केवल उसकी सरकार

मोदी बोले, मुझे आश्चर्य होता था कि बनारस के लिए ऐसी धारणाएं बना ली गई थीं। ऐसे तर्क दिए जाने लगे थे। ये जड़ता बनारस की नहीं थी। हो भी नहीं सकती थी। थोड़ी बहुत राजनीति थी, स्वार्थ था इसलिए बनारस पर आरोप लगाए जा रहे थे, लेकिन काशी तो काशी है। काशी तो अविनाशी है। काशी में एक ही सरकार है, जिनके हाथ में डमरू है, उनकी सरकार है। जहां गंगा अपनी धारा बदलकर बहती हो उस काशी को कौन रोक सकता है। भगवान शंकर ने खुद कहा है कि बिना मेरी प्रसन्नता के काशी में कौन आ सकता है, कौन इसका सेवन कर सकता है। काशी में महादेव की इच्छा के बिना आता है और न उनकी इच्छा के बिना कुछ होता है। यहां जो कुछ होता है महादेव की इच्छा से होता है। ये जो कुछ भी हुआ है, महादेव ने ही किया है।

गायों को जिंदा दफनाने के मामले में मोदी-योगी से प्रियंका गांधी ने मांगा जवाब

लखनऊ ,कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा है कि यूपी के बांदा जिले में गायों को जिंदा दफन करने की घटना क्रूरता की पराकाष्ठा है और प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी को इस आपराधिक मामले

में यूपी सरकार से जवाब मांगना चाहिए। प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला करते हुए पूछा, ''योगी आदित्यनाथ जी, आपकी सरकार के प्रशासन ने बांदा में सैकड़ों जिंदा गायों को दफना दिया। आपकी सरकार में गौशालाओं में गौ माता क्रूरता एवं अमानवीयता का शिकार हैं। उन्होंने इस मामले में पीएम मोदी से हस्तक्षेप करने को आग्रह किया और कहा, नरेंद्र मोदी जी आज आप यूपी में हैं। क्या आप गौशालाओं की दुर्दशा पर उप्र सरकार से जवाबदेही मांगेंगे।'' इसके साथ ही उन्होंने एक खबर पोस्ट की है, जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में कई गायों को मिट्टी और पत्थर में जिंदा जलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

काशी विश्वनाथ धाम सपा की परियोजना नहीं राज्य में हुए हर काम का श्रेय लेना चाहते हैं अखिलेश

लखनऊ , समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया कि काशी विश्वनाथ कारीडोर परियोजना उनकी सरकार के कार्यकाल में मंजूर हुई थी। उसके पास इसे साबित करने के लिए दस्तावेज हैं। अखिलेश ने कहा कि इस परियोजना की शुरुआत अगर किसी ने की थी तो वह समाजवादी पार्टी की सरकार ही थी। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए योगी सरकार ने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम के विकास को लेकर 2012 से 2017 के दौरान कैबिनेट में कोई चर्चा नहीं की गई।

योगी सरकार ने बताया कि पूर्व की सपा सरकार के दौरान काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को लेकर प्रस्ताव पास होने का दावा पूर्णत: गलत है। अखिलेश यादव ने रविवार को पत्रकार वार्ता की थी। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की शुरुआत अपने मुख्यमंत्रित्व काल में हुई थी। कैबिनेट की बैठक में यह प्रस्ताव मंजूर कराया गया था। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए दूसरे मुद्दे उछाल रही है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर विस्तारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट था। इसे मूर्त रूप देने के लिए योगी सरकार कैबिनेट की ९ बैठकें अलग अलग समय पर कीं। इन्हीं बैठकों में परियोजना

सपा प्रमुख के दावे पर योगी सरकार ने किया पलटवार

के विभिन्न चरणों को मंजूरी दिलाई गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोई कसर नहीं छोड़ी।

धर्मार्थ कार्य विभाग के माध्यम से इस योजना को जमीन उतारने की शुरुआत 19 जून 2018 को हुई कैबिनेट की बैठक से हुई थी। इसी बैठक में श्री काशी विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण वाराणसी अध्यादेश 2018 को मंजूरी दी गई, जिसके जरिए उसका नाम श्री काशी विश्वनाथ क्षेत्र विकास परिषद रखा गया। इसके बाद चार सितंबर 2018 को हुई कैबिनेट की बैठक में मंदिर विस्तारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण योजना के तहत खरीदी जाने वाली भूमि व भवनों में सेवाइत संपत्तियों के विनिमय के लिए नीति का निर्धारण किया गया। इस पूरे प्रोजेक्ट को पूरा कराने में धर्मार्थ कार्य विभाग व गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी की भी अहम भूमिका रही।

कैबिनेट ने मंदिर विस्तारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण योजना के के द्वितीय चरण के लिए ड्राइंग व डिजाइन में वांछित परिवर्तन के लिए मंडलायुक्त वाराणसी की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने का फैसला किया। यह बैठक 29 जून 2020 को हुई थी। इसी तरह 25 जून 2021 को हुई कैबिनेट की बैठक में योजना के तहत भवन संख्या सीके-38/12, 13 व 14 को खरीदे जाने और जायदाद वक्फी प्लाट का विनिमय किए जाने का फैसला किया गया।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार सब प्राचीन अच्छा और सब नया बुरा नहीं होता। बुद्धिमान पुरुष स्वयं परीक्षा द्वारा गुण-दोषों का विवेचन करते हैं। - कालिदास

संपादकीय

एक और टीका

न दुनिया महामारी पर ठिठकी है और न विज्ञान कोरोना पर ठहरा है। दूसरी व्याधियों पर भी शोध जारी हैं और टीकों व दवाइयों की खोज भी निरंतर चल रही है। इसी बीच एक बड़ी खुशखबरी यह भी है कि एक खतरनाक श्वसन रोग से जुड़ी दवा या टीके की निर्माण प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। एक प्रभावी आरएसवी टीका मानव जाति की पहुंच के भीतर है - टीका भी कोई एक नहीं, चार-चार टीके पुख्ता होने के कगार पर पहुंच गए हैं। श्वसन रोग के लिए जिम्मेदार एफ प्रोटीन संरचना को समझे आठ साल बीत चुके हैं, और तभी से एक मुकम्मल टीके को अंतिम रूप देने की कोशिश हो रही है। वैज्ञानिकों ने साल 2013 से ही आरएसवी2 को निशाना बना रखा है। आरएसवी2 मतलब रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस। यह इंसानों के श्वसन मार्ग में संक्रमण का कारण बनता है। यह गंभीर संक्रमण है, जो हर साल दुनिया भर में 6.4 करोड़ लोगों को प्रभावित करता है। यह हर साल 5 साल से कम उम्र के 30 लाख बच्चों और लगभग 3,36,000 वयस्कों को अस्पताल में भर्ती होने पर मजबूर कर देता है। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया था कि साल 2017 में छोटे बच्चों में आरएसवी से जुड़े संक्रमणों की वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल लागत 5.45 अरब अमेरिकी डॉलर थी। दम फूलने और सांस लेने में तकलीफ की यह बीमारी दुनिया के लगभग सभी देशों में पाई जाती है। इसका टीका आने से असंख्य बच्चों व वयस्कों को एक बड़ी तकलीफ से निजात मिलेगी। वैसे कोविड-19 भी श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, पर यह बहुत अलग है। कोविड-19 नई बीमारी या महामारी है, जबकि आरएसवी2 ने सदियों से परेशान कर रखा है। शोधकर्ता दशकों से इसके उपचार के लिए वैक्सीन विकसित करने में लगे हैं, और पहले कुछ विशेष विनाशकारी विफलताएं हासिल हुई हैं। 1960 के दशक में वैज्ञानिकों ने दावा किया था कि उन्होंने टीका बना लिया है, लेकिन परीक्षण में ही उस टीके ने बीमारी को बढ़ा दिया था और दो बच्चों की मौत हो गई थी। उसके बाद से ही वैज्ञानिकों ने अपने शोध की दिशा बदल दी थी। वह समझ नहीं पा रहे थे कि श्वसन में आने वाली समस्या की मूल वजह क्या है। साल 2013 में एक मूल वजह मतलब एफ प्रोटीन की खोज ने वैज्ञानिकों के उत्साह को बढ़ा दिया और वह तभी से टीका बनाने में लगे हैं। गौर करने की बात है कि फरवरी 2020 में जब कोरोना वायरस ने कहर ढाना शुरू किया, तब विज्ञान पत्रिकाओं में एक शोध प्रकाशित हुआ। संरचनात्मक जीवविज्ञानी जेसन मैकलेलन और उनकी टीम ने मानव कोशिकाओं पर आक्रमण करने के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रमुख प्रोटीन की संरचना को अपनी रिपोर्ट में उजागर कर दिया था। मतलब यह मानव जाति के लिए बड़ी खुशनसीबी ही थी, जब कोविड-19 ने दुनिया को सताया, तब मानव जाति श्वसन को प्रभावित करने वाले प्रोटीन की संरचना को समझ चुकी थी। इसी संरचना को लेकर वैज्ञानिक तत्काल कोरोना की वैक्सीन बनाने में लग गए और जल्दी कामयाब हुए। जो लोग कोरोना वैक्सीन जल्दी बनने से अचंभित हैं, उनके लिए यह सूचना रोमांचकारी है। बेशक, कोरोना वैक्सीन के निर्माण की प्रक्रिया दशकों से चल रही थी और सिद्ध हो गया कि स्वस्थ रहने के लिए दुनिया को विज्ञान की बड़ी जरूरत है।

कोरोना : डरने, डराने का नहीं, सम्हलने का वक्त है

- मनोज कुमार

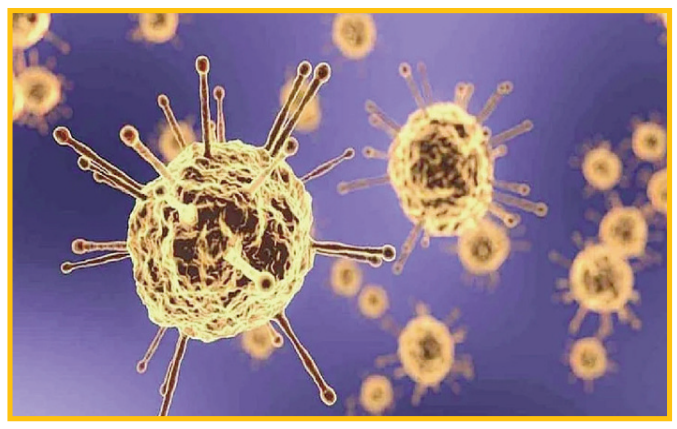

कोविड की तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है। कल क्या होगा, किसी को खबर नहीं है लेकिन डर का साया दिन ब दिन अपना आकार बढ़ा रहा है। कोरोना की दूसरी लहर को याद करने के बाद रूह कांप जाती है और तीसरी लहर ने भी ऐसे ही कयामत ढाया तो जिंदगी कल्पना से बाहर होगी। पहली लहर को सभी वर्गों ने हल्के में लिया था और कोरोनो को लोग मजाक बता रहे थे। सामान्य खांसी-सर्दी की बीमारी बताकर उसे अनदेखा कर रहे थे लेकिन दूसरी लहर में जब जिंदगी के लाले पडऩे लगे तो समझ में आया कि सौ साल बाद महामारी किस कदर कहर ढाती है। हममें से अधिकांश को पता ही नहीं है कि सौ साल पहले आयी महामारी का प्रकोप कितना और कैसा था लेकिन जब हम खुद इस बार की महामारी का सामना कर रहे हैं तो समझ में आने लगा है कि महामारी होती क्या है? कोरोना की तीसरी लहर की अभी शुरूआत है और अपने आरंभिक लक्षणों में उसकी भयावहता का अंदाज होने लगा है। इस आहट को भांप कर हम सबको डरने की जरूरत नहीं है और ना ही डराने की जरूरत है बल्कि जरूरत है कि हम सब अपने अपने स्तर पर सावधानी बरतें क्योंकि सावधानी ही इस महामारी का इकलौता इलाज है। लापरवाही या अनदेखी के चलते पहले भी कितने घरों में तकलीफ आयी है और इसका दुहराव ना हो, इस बात की सावधानी हमें बरतनी होगी। कोरोना की तीसरी लहर को लेकर सोशल मीडिया में जिस तरह की आधी-अधूरी बातें की जा रही है, वह किसी महामारी से कम नहीं है। संभव है कि कोरोना को लिखने वाले जानकार हों लेकिन इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि आपके लिखे शब्दों से समाज में डर पैदा ना हो क्योंकि डर के कारण आपाधापी मचती है और बीमारी से ज्यादा डर बेकाबू हो जाता है। कोशिश होना चाहिए कि संतुलित भाषा में कोरोना से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करें। कोरोना के दरम्यान बरतने वाली सावधानी से लोगों को अवगत कराया जाए ताकि स्थिति पहले पायदान पर ही नियंत्रण में हो सके। जो जिस क्षेत्र में है, उस क्षेत्र की मेडिकल सुविधाओं के बारे में बताया जाए ताकि जरूरत पडऩे पर लोगों को भटकना ना पड़े। देखने में यह भी आया है कि वैक्सीन को लेकर भी यह चर्चा की जा रही है कि यह कारगर नहीं है। इस सूचना का कोई तर्क नहीं है और एक कारण लोगों का वैक्सीन नहीं लगाने में यह भी है। कायदे से हम लोगों को प्रेरित करें कि अविलम्ब कोरोना प्रतिरोधक वैक्सीन लगा लें ताकि कोरोना के शिकार होने के बाद भी गंभीर स्थिति से बचा जा सके। अभी डराने या बिना तर्क की बात करने का नहीं है क्योंकि डर से व्यवस्था बाधित होती है और महामारी को फैलने के लिए स्थान मिल जाता है। कोरोना के आरंभ के साथ मीडिया की भूमिका सकरात्मक रही है और यही कारण है कि बीते दो लहर से व्यवस्था के नियंत्रण में शासकीय तंत्र को सहायता मिली है। कमियों की आलोचना से शासकीय तंत्र सजग हुआ और व्यवस्था दुरूस्त की गई। जैसे निजी अस्पतालों द्वारा इलाज के नाम पर जो मनमानी की जा रही थी, उसे रोकने के लिए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान स्वयं आगे आए। ऐसी आपदाओं में मीडिया की भूमिका बड़ी और गंभीर हो जाती है। समाज की अपेक्षा होती है कि मीडिया सारा सच बताये लेकिन सच तो यह है कि स्थिति को नियंत्रण में रखने, लोगों में डर ना फैले तथा वे व्यवस्था के प्रति सुनिश्चित रहें, इसकी जवाबदारी भी मीडिया की होती है। मीडिया रिपोर्ट्स की भाषा और प्रस्तुति बेहद संयत और संवेदनशील होती है जिससे लोगों के भीतर उपजने वाला डर खत्म होता है। डरे हुए लोग भीड़ में तब्दील हो जाते हैं और भीड़ को नियंत्रण में रखना मुश्किल कार्य होता है। ऐसे में सामंजस्य बनाकर रखना ऐसी विकट स्थिति में मीडिया का कार्य होता है क्योंकि मीडिया समाज और सरकार के मध्य सेतु का कार्य करती है। कोरोना प्रकोप को नियंत्रण में देखकर सरकार ने जीवन को सहज बनाने के लिए अनेक फैसले लिये हैं जिसमें शैक्षणिक संस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किये जाने के आदेश हैं। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में ऑनलाइन शिक्षा की चर्चा की गई है। अभी समाज मुसीबत से दूर नहीं हुआ है और जरूरी है कि ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था को बनाये रखें ताकि शिक्षण संस्थाओं में एकत्र होने वाली भीड़ से कोरोना वायरस फैलने से रोका जा सके। यूं भी टेक्नालॉजी का जिस तरह से विस्तार हो रहा है और आने वाला भविष्य टेक्नालाजी फ्रेंडली होना है तब ऑनलाइन शिक्षा और वर्क फॉम होम को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इन विकल्प से ना केवल हम कोरोना के हमले से बच सकते हैं बल्कि पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ ही संस्थागत व्यय पर भी नियंत्रण हो जाता है। यह किया जाना आज के लिए ही नहीं, भविष्य के लिए भी जरूरी हो जाता है। शादी-ब्याहो, सभा-संगत और मॉल-टॉकीज शुरू करने की जो छूट दी गई है, उस पर पुर्नविचार किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से भारतीय जीवनशैली का पाश्चात्य जीवनशैली से कोई मेल नहीं है लेकिन कोरोना के चलते एक बार विचार किया जाना जरूरी हो जाता है। यह सूचना राहत देती है कि कोरोना की आहट के पहले ही चिकित्सा व्यवस्था चाक-चौबंद कर ली गई है लेकिन इसकी वास्तविकता को जांचना भी जरूरी है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान इस मामले में गंभीर हैं और कलेक्टरों को आदेश देकर यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि अपने अपने जिलों में ऑक्सजीन प्लांट की स्थिति का निरीक्षण-परीक्षण करें और उसे चालू करें। आग लगने पर कुंआ खोदने से अच्छा है कि कुंआ पहले तैयार रखें ताकि वक्त-बे-वक्त काम आ सके। मेडिकल सहित संबद्ध सेवाओं को आपातकालीन घोषित करना भी समय की जरूरत है। ऐसा किये जाने से विपत्ति का समाधान मौजूद होगा। सरकार के इन प्रयासों को मूर्त रूप देने के लिए समाज को भी आगे आना होगा। अफवाहों से दूर रहकर वेक्सीन लगवा लें। अनावश्यक यात्रा या बाजार जाने से बचें। मॉस्क और सेनिटाइजर का उपयोग जीवनशैली में शामिल कर लें। मॉस्क ना केवल कोरोना से बचाती है बल्कि प्रदूषण से भी आपके शरीर को बचाती है। दिल्ली का हाल किसी से छिपा नहीं है। झीलों की नगरी भोपाल अपनी ताजगी के साथ अपनी पहचान कायम रखे, इसके लिए जरूरी है कि हम सब मिलकर कोरोना का मुकाबला करें। सजग रहें, स्वस्थ्य रहें क्योंकि जीवन हमारा अपना है।

बच्चों में कोरोना संक्रमण से चिंतित दुनिया के देश

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वैज्ञानिकों को जैसा अंदेशा था वह लगभग सही होता दिख रहा है। कोरोना की नई लहर ने अमेरिका में बड़ी संख्या में बच्चों को अपने आगोश में लेना शुरू कर दिया है। जानकारों के अनुसार महज एक सप्ताह में अमेरिका में एक लाख 33 हजार बच्चे कोरोना की चपेट में आ गए हैं। मोटे अनुमान के अनुसार अमेरिका में कोरोना संक्रमित बच्चों का प्रतिशत बढ़कर 11 प्रतिशत हो गया है। अमेरिका ही क्या यूरोपीय देश भी इससे अछूते नहीं है। चिंता की बात है कि कोरोना के कई जगहों पर नए लक्षण दिखाई देने लगे हैं। इसमें बच्चों के शरीर में चकते देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया के देशों में करीब एक लाख बच्चे प्रतिदिन कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। हमारे देश में भी कोरोना संक्रमण से प्रभावित बच्चों की संख्या बढ़ रही है। अभी तो यह संक्रमण डेल्टा वेरियंट के चलते हो रहा है जबकि अफ्रीका से आए नए वेरियंट ओमीक्रोन की दहशत तेजी से बढ़ती जा रही है। ओमीक्रोन ने भारत सहित दुनिया के तीन दर्जन से अधिक देशों में उपस्थिति दर्ज करा दी है। पिछले दो साल से कोरोना ने सारी दुनिया में तांडव मचा रखा है। दुनिया के देशों का जनजीवन कोरोना के कारण कोई एक-दो दिन नहीं बल्कि महीनों लॉकडाउन के दौरान घरों में कैद रह चुका है। यदि यह कहें कि कोरोना ने दुनिया के लोगों को घर में बिना किसी अपराध के घर में नजरबंद करके रख दिया तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। क्या घर और क्या बाहर सबकुछ ठप होकर रह गया। लोगों को ऑक्सीजन के लिए दर दर भटकते हुए इससे पहले किसी भी काल में नहीं देखा गया। आर्थिक गतिविधियां थम गईं। इन सबके बावजूद जैसे ही हालात सामान्य बनाने के प्रयास हुए, लापरवाही के चलते कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है। आखिर कोरोना प्रोटोकाल के नाम पर करना तो केवल इतना ही है कि दो गज की दूरी-मास्क है जरूरी और सेनिटाइजर का नियमित उपयोग। पर ज्यों-ज्यों सरकारों द्वारा हालात सामान्य करने के प्रयास किए गए त्यों-त्यों दूरी और मास्क, पर उपदेश कुशल बहुतेरे होकर रह गए। ऐसे में सोशल डिस्टेंसिंग की बात और भी बेमानी होगी। यह पहले साफ हो गया था कि कोरोना नित नए रूप बदलकर अपना खौफनाक रंग दिखाएगा। यह भी साफ हो गया था कि कोरोना की तीसरी लहर सीधे बच्चों को सर्वाधिक प्रभावित करेगी। कोरोना की दूसरी लहर ने जिस तरह हाहाकार मचाया, वह भी छुपा नहीं है, फिर भी सब पर लापरवाही भारी पड़ रही है। बच्चों पर कोरोना का बढ़ता असर दिखने लगा है। दुनिया के देशों में एक दिन में एक लाख बच्चों के संक्रमित होने का औसत निश्चित रूप से चिंतनीय है। अब सरकारों की भी मजबूरी है कि आखिर कब तक स्कूलों को बंद रखा जाए। वैसे ही दो सालों में जिस तरह से शिक्षा व्यवस्था ठप हुई है वह सबके सामने है। भारत सहित दुनिया के देशों में ऑनलाइन पढ़ाई के दुष्परिणाम सामने हैं। ऐसे में कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना ही एकमात्र विकल्प है। यह हमें समझना होगा। भावी पीढ़ी के भविष्य को देखते हुए शिक्षण संस्थाएं तो चालू करनी ही होगी। वैसे भी एक बात समझ जानी चाहिए कि आने वाले कुछ वर्षों तक तो हमें कोरोना के साथ ही जीना-मरना है। कोरोना के नित नए रूपों से जूझना है। मौसम परिवर्तन के साथ होने वाली बीमारियां कोरोना के लिए सहायक सिद्ध होती हैं। इसलिए लोगों को कोरोना से बचाव के एहतियाती उपायों को अपनाना ही होगा। अभी ओमीक्रोन की दहशत सामने है। ऐसे में कोरोना के डेल्टा स्वरूप से बच्चों को बचाना ज्यादा जरूरी हो गया है। यह नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना के डेल्टा स्वरूप ने ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। इसलिए जरूरी है कि कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना कराई जाए। बच्चों में बढ़ता संक्रमण अधिक चिंता का कारण है। आने वाले कुछ सालों तक हमें कोरोना के नये रूपों से दो-चार होते रहना है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के कार्टून

पानी का महत्त्व

जग्गी वासुदेव

जीवन के लिए पानी अत्यंत आवश्यक तत्व है लेकिन आज भारत पानी की जिस स्थिति का सामना कर रहा है वह वास्तव में बहुत कठिन है। 1947 में भारत में जितना पानी प्रति व्यक्ति लोगों को मिलता था, आज उसका बस 18फीसद ही मिल रहा है। भारत में आज ऐसे बहुत से शहर हैं जहां लोग तीन दिनों में एक बार ही नहा पाते हैं। भारत की संस्कृति, हमारी परम्पराएं ऐसी हैं कि चाहे कुछ भी हो, चाहे हम भोजन न करें, पर स्नान अवश्य करते हैं। अभी ये परिस्थिति हो रही है कि बहुत से लोगों को रोज नहाने को नहीं मिल रहा है। ये कोई विकास या प्रगति की बात नहीं है, ये कोई खुशहाली नहीं है। ऐसा लगता है कि अब वो दिन आने वाले हैं जब हमें पानी भी एक दिन छोड़ कर पीना पड़ेगा। एक राष्ट्र के रूप में हम पर्याप्त रूप से संगठित नहीं हैं, न ही हमारे पास इतने साधन हैं कि हम एक स्थान से दूसरे स्थान तक लोगों के लिए पीने का पानी ले जा सकें। लाखों लोग बिना पानी के मर जाएंगे। कुछ साल पहले जब मैं हिमालय में घूम रहा था तो गंगा नदी पर बने टेहरी बांध पर पहुंचा। मुझे मालूम पड़ा कि बांध में पानी का स्तर इतना कम हो चुका था कि बस 21 दिनों का ही पानी बचा था। अगर 21 दिनों में बारिश न होती, तो वहां से आगे गंगा न बहती। क्या आप इस बात की कल्पना कर सकते हैं कि अगर गंगा बहनी बंद हो जाए तो भारत के जनमानस पर इसका क्या असर पड़ेगा? गंगा हमारे लिए केवल एक नदी नहीं है। आज कुछ आध्यात्मिक समूह है जो गंगा को बचाने के, उसे पुनर्जीवित करने के प्रयत्नों में लगे हुए हैं और वे इस बात से बहुत चिंतित हैं कि गंगा को किस तरह बचाया जाए, कैसे उसे संभाला जाए? भारतीय लोगों का गंगा से एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। शहरों के लोग शायद इस बात को ना समझें, पर एक सामान्य भारतीय के लिए, गंगा जीवन से भी बड़ी है-ये सिर्फ नदी नहीं है, ये उससे भी ज्यादा है। यह हमारे लिए जीवन का एक प्रतीक है। अगर बरसात आने में दो-तीन सप्ताह की भी देर हो जाती, जो किसी भी वर्ष हो सकता है, तो बांध से नीचे की तरफ हमें गंगा दिखायी ही न देती। तो अब स्थिति बस ऐसी है- या तो हम जागरूकतापूर्वक जनसंख्या पर नियंत्रण करें या फिर प्रकृति ये काम निर्दयतापूर्वक करेगी। हमारे सामने, चुनाव के बस यही विकल्प है। ये मेरी नीति नहीं है कि हम अपनी जनसंख्या न बढ़ाएं।

सू-दोकू नवताल -1989

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

सू-दोकू -1988 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1989

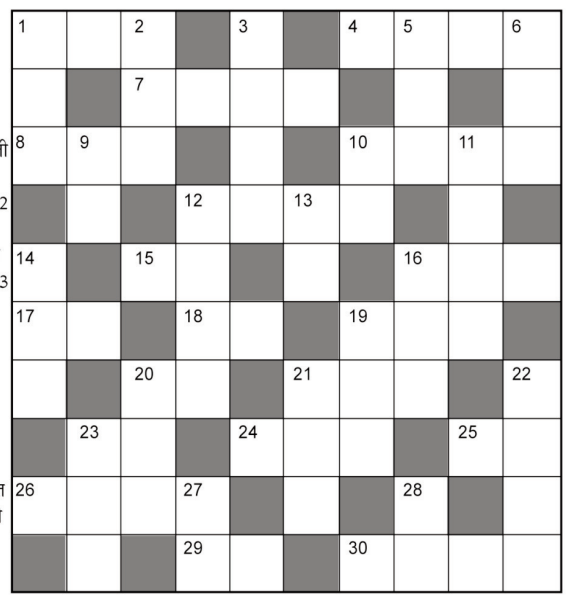

बायें से दायें:-

1. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-3
4. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-4
7. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-4
8. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-3
10. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-2,2
12. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-4
15. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-2
16. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-3
17. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-2
18. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-2
19. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-3
20. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-2
21. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-3
23. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-2
24. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-3
25. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
26. संजीवकुमार, शर्मिला की 1974 की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-4
29. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-2
30. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

12. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-4
13. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत में दिल में' गीत वाली फिल्म-2
14. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3
16. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
19. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-3
20. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-3
21. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-3
22. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-4
23. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-3
27. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-2
28. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 1988

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		रा	व	ण	रा	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	श्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

1. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-3
2. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-3
3. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-4
5. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-3
6. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-3
9. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-2
10. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
11. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-4

पेटीएम की ऊंची छलांग, जेएमवी अक्टूबर-नवंबर में दोगुना होकर 1.66 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी पेटीएम ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के पहले दो महीनों में उसके ऐप के जरिए लेनदेन के लिए किया जाने वाला भुगतान (जीएमवी) दोगुना होकर 1,66,600 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने बताया कि ऋण वितरण में तेज उछाल की वजह से ऐसा हुआ। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लि. ने एक साल पहले इसी अवधि में 72,800 करोड़ रुपये का जीएमवी दर्ज किया था। पीटीएम के अनुसार, जीएमवी से आशय अलग-अलग अवधि में अपने ऐप पर लेनदेन के लिए पेटीएम भुगतान साधनों के माध्यम से या भुगतान समाधान के माध्यम से व्यापारियों (दुकानदारों) को किए जाने वाले कुल भुगतान के मूल्य से है। इसमें धन हस्तांतरण जैसे उपभोक्ता-से-उपभोक्ता भुगतान सेवाएं शामिल नहीं होतीं।

ग्रोफर्स का नाम अब ब्लिंकिट हुआ, अब होगी 10 मिनट में सामान की डिलीवरी

नई दिल्ली: ऑनलाइन किराना डिलीवरी मंच ग्रोफर्स ने सोमवार को कहा कि वह सेवाओं की तेज आपूर्ति को दर्शाने के लिए अपना नाम बदलकर 'ब्लिंकिट' कर रहा है। जोमैटो और सॉफ्टबैंक द्वारा वित्तपोषित इस कंपनी ने कुछ महीने पहले 10 मिनट की डिलीवरी के वादे के साथ अपनी त्वरित वाणिज्य सेवा शुरू की थी। ब्लिंकिट ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, 'कुछ महीने पहले, हमने अपने ग्राहकों को अपने दैनिक जीवन में आवश्यक अधिकांश सामानों की 10 मिनट में डिलीवरी के साथ वाणिज्य के भविष्य का निर्माण करने के लिए एक यात्रा शुरू की, हमने ग्रोफर्स के रूप में बहुत कुछ सीखा और हमारी सभी सीख, हमारी टीम, और हमारे बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल चौंकाने वाली रफ्तार से बढ़ते उत्पाद-बाजार में त्वरित वाणिज्य के लिए किया जा रहा है।' ब्लॉगपोस्ट के अनुसार कंपनी अपनी सेवा के तहत भारत के 12 शहरों में पहले से ही एक सप्ताह में 10 लाख से अधिक ऑर्डर को पूरा कर रही है।

आसुस ने भारत में लॉन्च किया नया क्रोमबुक

नई दिल्ली। ताइवान की टेक दिग्गज आसुस ने सोमवार को इंटेल सेलेरन एन4020 डुअल-कोर प्रोसेसर, 4 जीबी फास्ट रैम, फास्ट 64 जीबी सॉलिड-स्टेट ईएमएमसी स्टोरेज और गूगल क्रॉम ओएस द्वारा संचालित अपना नया 11.6-इंच क्रोमबुक सीएक्स 1101 लॉन्च किया है। फ्लिपकार्ट पर आसुस क्रोमबुक सीएक्स 1101 की कीमत 19,999 रुपये है। एक इंट्रोडक्टरी ऑफर के रूप में, उपभोक्ता 15 से 21 दिसंबर, 2021 के बीच 18,990 रुपये की विशेष छूट पर क्रोमबुक का लाभ उठा सकते हैं। उपयोगकर्ता एसबीआई बैंक कार्ड और ईएमआई ट्रांसेक्शन्स के साथ नो-कॉस्ट ईएमआई (6 महीने के लिए) के साथ 10 प्रतिशत तत्काल छूट का लाभ उठा सकते हैं। भारत और दक्षिण एशिया के आसुस के क्षेत्रीय निदेशक लियोन यू ने एक बयान में कहा, अपनी सभी यात्रा आवश्यकताओं के लिए ठोस सुविधाओं और स्थायित्व के साथ चलते-फिरते जीवन शैली को सशक्त बनाने के लिए देश में तेजी से विकसित हो रहे शिक्षा और उद्यम बाजार के साथ, यह जरूरी है कि हम उपभोक्ताओं को दूरस्थ कार्य और हाइब्रिड सीखने के वातावरण के लिए सही उपकरण और प्रौद्योगिकी के साथ समर्थन दें। आसुस क्रोमबुक के लिए प्राप्त उत्कृष्ट प्रतिक्रिया को देखते हुए, नया वेरिएंट सीएक्स 1101 डिजाइन किया गया है। क्रोमबुक एक एंटी-ग्लेयर एचडी डिस्प्ले के साथ आता है जिसे 30,000 ओपन और क्लोज लाइफ-साइकिल परीक्षणों के लिए परीक्षण किया जाता है और यह मिलिटि-ग्रेड है। यह एचडी कैमरा, स्टीरियो लाउडस्पीकर,डुअल-बैंड वाई-फाई 5, ब्लूटूथ 5.2 तक, 42 वॉट बैटरी और 45 वॉट यूएसबी-सी फास्ट चार्जर के साथ आता है।

फिर बढ़ने लगे सोने-चांदी के दाम: सोना 48000 तो चांदी 61 हजार के पार

(एजेंसी)

सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखी गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन **(IBJA)** की वेबसाइट के अनुसार आज सर्राफा बाजार में सोना 293 रुपए महंगा होकर 48,109 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं अगर वायदा बाजार की बात करें तो स्ष्टड्ड पर दोपहर 1 बजे सोना 62 रुपए की बढ़त के साथ 48,226 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। चांदी की बात करें तो सर्राफा बाजार में आज चांदी 786 रुपए महंगी होकर 60,941 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। हालांकि वायदा बाजार में आज चांदी कमजोर हुई है। स्ष्टड्ड पर दोपहर 1 बजे चांदी 171 रुपए की बढ़त के साथ 61,322 रुपए पर ट्रेड कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1,785 डॉलर के पार निकला सोना

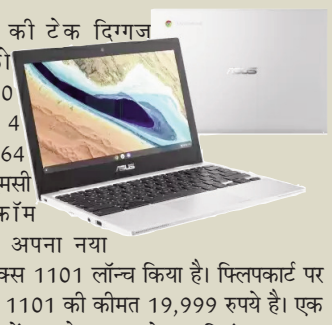

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,786 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। वहीं चांदी की बात करें तो ये 22 डॉलर प्रति औंस के ऊपर ट्रेड कर रही है।

आने वाले दिनों में फिर बढ़ सकते हैं दाम

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि देश और दुनिया में कोरोना के नए वैरिएंट %ओमिक्रॉन% के आने के बाद मामले फिर बढ़ने लगे हैं। इससे सोने को सपोर्ट मिलेगा और ये अगले एक साल में 55 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

कोरोना की पहली लहर में 56,200 पर पहुंच गया था गोल्ड

अगस्त 2020 में जब कोरोना की पहली लहर आई थी तब सोना 56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। कोरोना महामारी के कारण निवेशकों में डर का माहौल बन गया था।

फ्लिपकार्ट, वॉलमार्ट ने निंजाकार्ट में 14.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया

नई दिल्ली:

फ्लिपकार्ट इंडिया और वॉलमार्ट ने ताजा उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला कंपनी निंजाकार्ट में 14.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। दोनों कंपनियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिछले साल अक्टूबर में वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट ग्रुप ने बेंगलुरु की कंपनी में अघोषित राशि का निवेश किया था। एक बयान में कहा गया कि यह निवेश किसानों, खुदरा विक्रेताओं, उपभोक्ताओं और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े लोगों सहित लाखों कृषि मूल्य श्रृंखला भागीदारों के जीवन को व्यवस्थित, सशक्त और बेहतर करने के लिए प्रौद्योगिकी एवं बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में निंजाकार्ट की मदद करेगा। निंजाकार्ट पिछले दो साल से प्रौद्योगिकी मंचों और आपूर्ति श्रृंखला बुनियादी ढांचे में तेजी से निवेश करती रही है।

नवंबर में 4.91% हुई खुदरा मुद्रास्फीति, फल-सब्जियों की महंगाई पड़ी भारी

नई दिल्ली (एजेंसी):

नवंबर महीने में रिटेल इनफ्लेशन बढ़कर 4.91 फीसदी हो गई, जो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया **(RBI)** की टारगेट रेंज की ऊपरी सीमा के करीब है। साथ ही यह तीन महीने का उच्चतम स्तर है। सोमवार को जारी सरकारी डाटा के मुताबिक, महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह फल और सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी रही है। इससे पहले अक्टूबर में सीपीआई बेस्ड इनफ्लेशन 4.48 फीसदी और नवंबर, 2020 में 6.93 फीसदी रही थी। आरबीआई ने रिटेल इनफ्लेशन के लिए ऊपर और नीचे दोनों की तरफ 2 फीसदी के मार्जिन के साथ 4 फीसदी का लक्ष्य तय किया है। नवंबर में इनफ्लेशन का आंकड़ा लगातार पांचवें महीने सेंट्रल बैंक के लक्ष्य के भीतर रहा है। पिछले हफ्ते, सेंट्रल बैंक ने 4 फीसदी पर रेपो रेट को अपरिवर्तित रखा और नए कोविड-19 वैरिएंट ओमीक्रोन की चिंताओं के मद्देनजर अपना नरम रुख जारी रखने का फैसला किया था। हालांकि आरबीआई ने कहा था कि निकट भविष्य में कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

सेंसेक्स 503 अंक टूटा, निफ्टी 17400 के नीचे बंद

नई दिल्ली (एजेंसी):

सोमवार को शेयर बाजार ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 317.05 अंक या 0.54 फीसदी की तेजी के साथ 59,103.72 के स्तर पर खुला लेकिन ये तेजी बरकरार नहीं रह सकती और कुछ देर बाद ही सेंसेक्स 800 से ज्यादा अंक टूट गया। इसके बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट का जो सिलसिला शुरू हुआ वो कारोबार के अंत तक जारी रहा। अंत में बीएसई का सेंसेक्स 503.25 अंक या 0.86 फीसदी की गिरावट के साथ 58,283.42 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी 143.05 अंक या 0.82 अंक फिसलकर 17,368.25 के स्तर पर बंद हुआ।

इन कंपनियों के शेयर सबसे ज्यादा टूटे

बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एमएंडएम निफ्टी के शीर्ष गिरावट वाले शेयरों में शामिल रहे। जबकि टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, विप्रो और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शिमशेयर लाभ में रहे हैं। सेक्टरों में निफ्टी आईटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी नीचे था, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.20 फीसदी ऊपर था।

317 अंक बढ़त से खुला था सेंसेक्स

इससे पहले आज शेयर बाजार ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 317.05 अंक या 0.54 फीसदी की तेजी के साथ 59,103.72 के स्तर पर खुला था, जबकि एनएसई के निफ्टी ने 107.80 अंक या 0.62 फीसदी की उछाल के साथ 17,619.10 अंक पर कारोबार की शुरुआत की थी। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन बीते शुक्रवार को शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ था।

विदेश में नौकरी की तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ी: रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी):

कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के बावजूद विदेश में नौकरी की तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या में निरंतर इजाफा हुआ है। एक रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय जिन देशों में नौकरी करना चाहते हैं उस सूची में शीर्ष पर अमेरिका और उसके बाद कनाडा, पश्चिम एशिया और ब्रिटेन आते हैं। रोजगार की तलाश के लिए मंच उपलब्ध करवाने वाली वैश्विक जॉब वेबसाइट 'इंडीड' की रिपोर्ट में कहा गया कि अन्य देशों में नौकरी की तलाशने की गतिविधियां नवंबर, 2019 से अप्रैल, 2020 के बीच सर्वाधिक रहीं। इसमें 72 फीसदी की वृद्धि देखी गई। हालांकि, दुनियाभर में कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद इसमें कमी आई थी क्योंकि कई देशों ने अपने यहां यात्रा पाबंदियां लगा दी थीं। रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक महामारी की दूसरी लहर से जैसे ही दुनिया उबरी, विदेश में नौकरी के अवसर तलाशने की गतिविधियां बढ़ गईं और ये अब भी निरंतर जारी हैं। इंडीड इंडिया के प्रमुख (बिक्री) शशि कुमार ने कहा, ''महामारी की तीसरी लहर के बीच भी भारतीय दुनिया के विभिन्न हिस्सों में काम करने के इच्छुक हैं, खासकर प्रौद्योगिकी से जुड़ी भूमिकाओं में। भारतीय प्रतिभाओं की ओर दुनिया का ध्यान जा रहा है जो इस बात का सबूत है कि वैश्विक संगठनों में हमारे यहां की प्रतिभा को पहचान मिल रही है।'' वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक, रोजगार के इच्छुक भारतीयों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया में काम करने के प्रति विशेष रुझान दिखाया है। रिपोर्ट में बताया गया कि 40 प्रतिशत से अधिक भारतीयों ने अमेरिका में नौकरी की तलाश की और 2019-21 में यह रोजगार की तलाश करने वालों के बीच सबसे लोकप्रिय स्थल रहा। इसके बाद 16 फीसदी के साथ कनाडा का स्थान है। यह आव्रजन संबंधी सरल नीतियों के कारण लोकप्रिय है।

इस वैश्विक सूची में इनमें बाद संयुक्त अरब अमीरात (14 फीसदी), ब्रिटेन (14 फीसदी), कतर (तीन फीसदी) और सिंगापुर (तीन फीसदी) आते हैं। यह रिपोर्ट नवंबर, 2019 से अक्टूबर, 2021 तक इंडीड मंच पर नौकरी की तलाश करने संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है।

दुनिया भर में अगले साल जारी रहेगी चिप की कमी: सैमसंग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैश्विक स्तर पर चिप की कमी के बीच दक्षिण कोरियाई तकनीकी दिग्गज सैमसंग का मानना है कि चिप की कमी 2022 तक जारी रहेगी। सूत्रों ने बताया कि सैमसंग मोबाइल के अध्यक्ष टीएम रोह ने अपने 30 से ज्यादा प्रमुख स्मार्टफोन घटक आपूर्तिकर्ताओं के वरिष्ठ अधिकारियों और अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की। रिपोर्ट के अनुसार सैमसंग कमी को कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। चिप उत्पादन क्षमता को सुरक्षित करने के लिए फर्म चिप फाउंड्री के साथ वार्षिक अनुबंध पर जोर देने जा रही है। इसके अलावा कंपनी अब दो सप्ताह के बजाय चार सप्ताह तक की चिप आपूर्ति का स्टॉक करेगी। चिप की कमी के कारण ब्रांड के गैलेक्सी एस21 एफई में देरी हुई है और अब इसे जनवरी 2022 में लॉन्च करने की तैयारी है, जिससे गैलेक्सी एस22 लाइनअप को फरवरी में लॉन्च किया जा सके। इस बीच क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टियानो अमोन ने कहा कि चिप की कमी धीरे-धीरे कम हो रही है और अगले साल स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

विशाल गर्ग की 'छुट्टी' पर आनंद महिन्द्रा ने किया ट्वीट, कहा- ऐसा होना निश्चित लग रहा था

(एजेंसी):

जूम कॉल पर 900 कर्मचारियों की छुट्टी करने वाले **Better.com** के सीईओ विशाल गर्ग को तत्काल छुट्टी पर भेजा जा रहा है। विशाल गर्ग ने 3 मिनट के जूम कॉल में 900 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और इसकी दुनियाभर में आलोचना हो रही थी। इसके बाद कंपनी ने गर्ग को छुट्टी पर भेजने का फैसला किया। गर्ग को छुट्टी पर भेजे जाने पर महिन्द्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिन्द्रा ने कहा है कि ऐसा होना निश्चित लग रहा था। उन्होंने एक ट्विटर पोस्ट में कहा, 'सीईओ शून्य में काम नहीं करते हैं। वे उस तरीके से कार्य करते हैं, जिसमें उन्हें विश्वास होता है कि उन्हें सफल होने में मदद मिलेगी। निदेशक मंडल को उस संस्कृति पर चिंतन करने की जरूरत है, जिसे वे बढ़ावा देते हैं और जिसका वे समर्थन करते हैं। किस प्रकार की संस्कृति ने इस सीईओ (विशाल गर्ग) को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि उसकी कार्रवाई को पुरस्कृत किया जाएगा?' बता दें कि जूम कॉल पर 900 कर्मचारियों की छंटनी करने और तीखी आलोचना का सामना करने के बाद विशाल गर्ग ने पिछले सप्ताह माफी भी मांगी थी। इस पर भी आनंद महिन्द्रा ने तगड़ा रिएक्शन दिया था। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा था, 'मैं इस बात को जानने का इच्छुक हूं कि क्या आपको लगता है कि एक सीईओ इस तरह की गलती के बाद अपने पद पर सरवाइव कर सकता है? उसे दूसरा मौका देना उचित है या नहीं...?'

फोन पे ने कहा, ऑफलाइन लेनदेन 200% बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी):

डिजिटल भुगतान क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फोन पे ने सोमवार को कहा कि बीते एक वर्ष में उसके मंच पर व्यापारियों द्वारा प्रत्यक्ष (ऑफलाइन) लेनदेन में 200 फीसदी की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि नवंबर के महीने में उसके मंच पर करीब एक अरब पी2एम (पीयर टू मर्चेंट या उपभोक्ता द्वारा व्यापारियों को भुगतान) लेनदेन हुए हैं। एक बयान में कहा गया कि कंपनी ने देश के 2.5 करोड़ छोटे व्यापारियों और किराना दुकानदारों का डिजिटलीकरण किया है। कंपनी ने बयान में कहा, ''देश के 15,700 कस्बों और गांवों में अब फोन पे का व्यापारी नेटवर्क है।'' पी2एम लेनदेन में वे भुगतान आते हैं जो उपभोक्ता प्रत्यक्ष या ऑनलाइन स्टोर पर करते हैं। इसमें रिचार्ज, बिल भुगतान और वित्तीय सेवाओं के भुगतान भी आते हैं। फोन पे के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर निगम ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में फोन पे ने 2.5 करोड़ किराना दुकानों के डिजिटलीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया था जिसे उसने रिकॉर्ड वक्त में हासिल भी किया।

व्हाट्सएप थर्ड पार्टी की ऐप्स को ऑनलाइन डिटेल्स देखने से रोकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मेटा-स्वामित्व वाले व्हाट्सएप अज्ञात संपर्कों को यूजर्स के लास्ट सीन देखे जाने और ऑनलाइन स्थिति को देखने से रोकने के लिए एक नया प्राइवेसी अपडेट लाया है। इस नए फीचर को कथित तौर पर एंड्रॉइड और आईओएस दोनों इनेबल्ड डिवाइस के लिए रोल आउट किया गया है। वैबेटाइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार, एंड्रॉइड पर गूगल प्ले स्टोर और आईओएस पर एप्पल ऐप स्टोर के कुछ थर्ड पार्टी ऐप से डेटा को ऑनलाइन स्टेटस टाइम और लास्ट सीन टाइम लॉग करने के लिए एक्सेस कर सकते हैं। व्हाट्सएप ने अब ऐसे ऐप्स को ऐसे डेटा तक पहुंचने से रोकने के लिए कुछ सुरक्षा उपाय पेश किए हैं। वैबेटाइंफो के अनुसार, यूजर्स की सुरक्षा के लिए इस नए सुधार के बाद, व्हाट्सएप लास्ट सीन और ऑनलाइन स्टेटस नहीं दिखाता है, यदि आपने कभी किसी अन्य व्हाट्सएप अकाउंट से चैट नहीं किया है। चूंकि उन थर्ड पार्टी ऐप्स में आपके साथ सक्रिय चैट नहीं है, इसलिए वे नहीं देख सकते कि आप कब ऑनलाइन थे। इसके अलावा, व्हाट्सएप एक ऐसे फीचर पर भी काम कर रहा है, जो यूजर्स को उनके लास्ट सीन और विशिष्ट कॉन्टैक्ट्स की प्रोफाइल पिक्चर सहित कुछ सूचनाओं को प्रतिबंधित करने में सक्षम बनाएगा। व्हाट्सएप ने हाल ही में घोषणा की थी कि उसके यूजर्स के पास अब सभी नई चैट के लिए डिफॉल्ट रूप से गायब होने वाले संदेशों को चालू करने का विकल्प होगा। मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म ने कहा कि वह गायब होने वाले संदेशों के लिए दो नई अवधि जोड़ रहा है जिसमें, 24 घंटे और 90 दिन, साथ ही 7 दिनों का मौजूदा विकल्प शामिल है। व्हाट्सएप ने एक बयान में कहा, सक्षम होने पर, आपके द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शुरू की जाने वाली सभी नई आमने-सामने चैट आपकी चुनी हुई अवधि में गायब होने के लिए सेट हो जाएगी। हमने ग्रुप चैट बनाते समय एक नया विकल्प जोड़ा है, जो आपको इसे आपके द्वारा बनाए गए समूहों के लिए चालू करने देता है। कंपनी ने कहा कि यह नई सुविधा वैकल्पिक है और आपकी किसी भी मौजूदा चैट को नहीं बदलती या हटाती नहीं है।

बैंकों को 13 कंपनियों के बैड लोन की वजह से 2.85 लाख करोड़ का नुकसान, 2 दिन की हड़ताल का आह्वान

हैदराबाद:

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 13 कंपनियों के ऋण बकाया के कारण लगभग 2.85 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है जबकि बैंक यस बैंक और आईएल एंड एफएस जैसे संकटग्रस्त संस्थानों को उबारने का काम करते रहे हैं। बैंकों के संघ यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने सोमवार को यह आरोप लगाया। यूएफबीयू के संयोजक बी रामबाबू ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि संगठन ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक 2021 के विरोध में और सरकारी बैंकों के निजीकरण के केंद्र के कथित कदम का विरोध करते हुए 16 और 17 दिसंबर को पूरे देश में बैंकों की दो दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। यूएफबीयू द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 13 निजी कंपनियों का बकाया 4,86,800 करोड़ रुपए था और इसे 1,61,820 करोड़ रुपए में निपटाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 2,84,980 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, ÷यह भी एक सच्चाई कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का इस्तेमाल निजी क्षेत्र के संकटग्रस्त बैंकों जैसे ग्लोबल ट्रस्ट बैंक, यूनाइटेड वेस्टर्न बैंक, बैंक ऑफ कराड, आदि को राहत देने के लिए किया गया है। हाल के दिनों में, यस बैंक को सरकारी बैंक एसबीआई (भारतीय स्टेट बैंक) ने संकट से निकाला। इसी तरह निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी एनबीएफसी (गैर बैंकिंग वित्त कंपनी), आईएल एंड एफएस, को सार्वजनिक क्षेत्र के एसबीआई और एलआईसी ने संकट से निकाला।÷

धवन को वनडे टीम में शामिल करने का कोई मतलब नहीं : सबा करीम

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर सबा करीम का मानना है कि शिखर धवन को दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए वनडे टीम में शामिल करने का कोई मतलब नहीं, क्योंकि टीम में सलामी क्रम के लिए अब जगह नहीं हैं। सबा करीम को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में चयनकर्ताओं को शिखर धवन को नहीं चुनना चाहिए। धवन जून में श्रीलंका दौरे के बाद से भारतीय टीम से बाहर हैं। आईपीएल 2021 में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, धवन टी20 विश्व कप में जगह बनाने से चूक गए थे। करीम ने कहा कि केएल राहुल और रोहित शर्मा भारत के लिए पारी की शुरुआत करेंगे और धवन के स्क्वाड में शामिल होने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, अगर धवन भी टीम में हैं, तो क्या वो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे? केएल राहुल और रोहित शर्मा ने टेस्ट और टी20 में ओपनिंग की है, इसलिए मुझे लगता है कि वो वनडे में भी ओपनिंग करेंगे। तो, अगर आप धवन को टीम में शामिल कर रहे हैं और उन्हें नहीं खिला रहे हैं, तो क्या उन्हें टीम में होना चाहिए? यूट्यूब पर खेलनीति पॉडकास्ट पर करीम ने क हा, मुझे धवन के शामिल होने की संभावना नहीं दिख रही है, इसकी क्या जरूरत है? केवल एक चीज संभव है रोहित शर्मा और शिखर धवन के दाए-बाएं हाथ का कॉम्बिनेशन। उनकी एक शानदार साझेदारी भी रही है।

भारतीय टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होगी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को चार्टर्ड विमान से दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होगी। टीम इससे पहले अभी मुम्बई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के करीब बने एक पांच सितारा होटल में क्वारंटीन में है ताकि बायो सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को पूरा किया जा सके। भारतीय टीम को अपने इस दौरे में तीन टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलने हैं। अभी केवल टेस्ट टीम के सदस्य ही दक्षिण अफ्रीका जाएंगे। भारतीय टीम के कुछ सदस्य अभी दक्षिण अफ्रीका में ही हैं। ये सभी भारत ए टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गये थे। इनमें नवदीप सैनी, सौरभ कुमार, दीपक चाहर, अर्जन नागवसवाला, हनुमा विहारी और विवेक रामकृष्ण (ट्रेनर) शामिल हैं। भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका में तीन मैचों की सीरीज खेली थी। भारत ए का दक्षिण अफ्रीका दौरा बिना किसी परेशानी के पूरा हो गया था जिससे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का हौंसला बढ़ा है। इससे पहले कोविड-19 के नये वैरियंट ओमीक्रोन के खतरे को देखते हुए इस दौरे को जोखिमभरा माना जा रहा था। ऐसे में भारतीय टीम के दौरे को लेकर भी आशंकाएं लग गयी थीं। वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने भी भारतीय टीम को पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन देने हुए कहा कि उसके लिएपूर्ण रुप से सुरक्षित बायेबबल तैयार किया गया है। तीन मैचों की टेस्अ सीरीज का पहला टेस्ट 26 दिसम्बर से शुरु हो रहा है।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिप अब पोलैंड मे होगी

वारसॉ ,पोलैंड (निकलेश जैन) विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिप एक साल की देरी से इस बार कजाकिस्तान की राजधानी नूर सुल्तान मे होने जा रही थी पर कोविड के नए नियमों के चलते कजाख सरकार नें प्रतियोगिता करने मे असमर्थता जताती दी पर ऐसे मे दो दिन से भी कम समय मे पोलैंड के प्रधानमंत्री मोरवेकी नें विश्व शतरंज संघ को पोलैंड मे प्रतियोगिता आयोजित करने का प्रस्ताव दे दिया और अब 7.5 करोड़ रुपेय कुल पुरुष्कार राशि वाली यह चैंपियनशिप पहले से निर्धारित तारीख में 25 से 31 दिसंबर तक पोलैंड में खेली जाएगी। भारत के लिहाज से यह टूर्नामेंट बेहद खास है क्यूंकी 2017 में विश्वनाथन आनंद नें विश्व रैपिड का खिताब जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था और साथ ही ब्लिट्ज़ का कांस्य पदक जीता था तो 2019 में कोनेरु हम्पी नें महिला विश्व रैपिड चैम्पियन होने का कारनामा किया था । 2020 में टूर्नामेंट के रद्द होने जाने से विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन अपना रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों का खिताब तो कोनेरु हम्पी महिला रैपिड और रूस की लागनों काटेरयना महिला ब्लिट्ज़ का खिताब बचाने के लिए खेलते नजर आएंगे । भारत के पुरुष वर्ग से विश्वनाथन आनंद ,विदित गुजराती ,पेंटाला हरिकृष्णा मुख्य दावेदार होंगे तो निहाल सरीन , डी गुकेश , रौनक साधवानी , प्रग्गानंधा , अर्जुन एरिगासी जैसे युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सबकी नजरे रहेंगी । महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी , हरिका द्रोणावल्ली ,आर वैशाली , तानिया सचदेव , भक्ति कुलकर्णी , पद्मिनी राऊत और मेरी एन गोम्स मुख्य खिलाड़ी के तौर पर नजर आएंगी ।

सिंधू को पहले राउंड में बाई, पूजा और संजना पहले राउंड में बाहर

हुएल्वा (स्पेन) ।

भारत की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधू को बीडब्लूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में बाई मिली है जिससे वह दूसरे दौर में पहुंच गई हैं जबकि पूजा डांडू और संजना संतोष ने पहले राउंड में पहला गेम हारने के बाद मैच छोड़ दिया। छठी सीड सिंधू को रविवार को पहले राउंड में बाई मिली और दूसरे राउंड में भारतीय खिलाड़ी का स्लोवाकिया की मार्टिना रेपिस्का से मुकाबला होगा। सिंधू मार्टिना के खिलाफ पहली बार खेलेंगी। इस बीच महिला युगल में पूजा और संजना हॉलैंड की जोड़ी के खिलाफ पहला गेम 12-21 से हारने के बाद मैच से रिटायर हो गई।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी : भारत का पहला मुकाबला कोरिया से

ढाका ।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरूष हॉकी टीम कोरिया के खिलाफ मंगलवार को एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच से नये सत्र का आगाज करेगी तो कई युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजरें रहेंगी। भारत ने 2011 में टूर्नामेंट की शुरूआत से अब तक तीन बार खिताब जीता है। इसने 2016 में कुआंटन और 2018 में मस्कट में खिताब अपने नाम किया था। भारत को 14 दिसंबर को कोरिया से पहला मैच खेलना है। इसके बाद 15 दिसंबर को मेजबान बांग्लादेश से सामना होगा। तीसरा मैच 17 दिसंबर को पाकिस्तान और 19 दिसंबर को एशियाई खेल चैम्पियन जापान से खेलना है। सेमीफाइनल 21 दिसंबर को और फाइनल 22 दिसंबर को होगा। कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा ,'' कोरिया बहुत अच्छी टीम है और हमारे आक्रमण को धीमा कर सकती है। हमने इसी जगह पर 2017 एशिया कप में लीग चरण में उनसे 1-1 से ड्रॉ खेला था। हमें आत्ममुग्धता से बचते हुए अपने बेसिक्स मजबूत रखने होंगे।' टूर्नामेंट की अहमियत के बारे में उन्होंने कहा, 'यह टोक्यो ओलंपिक के बाद हमारा पहला टूर्नामेंट है। हमारे लिए यह नए सत्र की शुरूआत है और जीत के साथ आगाज करने से आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।' इस टूर्नामेंट के लिये टीम में कई युवाओं को मौका दिया गया है। मनप्रीत ने कहा, 'पिछले दो साल में हमारा फोकस ओलंपिक पर था तो कोर टीम में बदलाव नहीं किए गए। इससे युवा खिलाड़ियों में से कुछ को मौके नहीं मिल सके। ये सभी काफी मेहनत कर रहे हैं और इन्हें खुद को साबित करने का मौका दिया गया है।' टीम की फिटनेस के बारे में उन्होंने कहा, 'सभी खिलाड़ी फिट हैं। हमने भुवनेश्वर में शिविर में फिटनेस पर काफी मेहनत की है।'

पिछली बार मस्कट में भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता घोषित किया गया था क्योंकि लगातार बारिश के कारण फाइनल नहीं हो सका था।

संक्षिप्त समाचार

डेविड वॉर्नर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बने, मैथ्यूज सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर

दुबई । ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और वेस्टइंडीज की हरफनमौला हेली मैथ्यूज नवंबर महीने में आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरूष और महिला क्रिकेटर चुने गए। वॉर्नर ने अपने शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज आबिद अली और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी को पछाड़ा। मैथ्यूज ने पाकिस्तान की अनम अमीन और बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर को मात दी। वॉर्नर हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' चुने गए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 53 और पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 49 रन बनाए थे। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 12 चरण के मैच में भी प्लेयर आफ द मैच रहे थे जिसमें उन्होंने 56 गेंद में नाबाद 89 रन बनाए थे। वॉर्नर ने इस अवधि में चार टी20 मैचों में 209 रन बनाए। मैथ्यूज ने दूसरी बार नामांकन मिलने पर यह पुरस्कार जीता। वह जुलाई में भी पुरस्कार की दौड़ में थी जब उनकी कप्तान स्टेफनी टेलर विजेता रही थी। मैथ्यूज ने 141 रन बनाये और नौ विकेट लिये ।पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में मिली जीत की वह सूत्रधार रही।

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा टेस्ट से हुए बाहर, प्रियांक पांचाल भारतीय टीम में शामिल

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका दौरा शुरू होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को एक बड़ा झटका लगा है। हाल ही में टेस्ट टीम के उप-कप्तान बनाए गए रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। रोहित को मुंबई में अभ्यास करते हुए चोट लगी है, जिसके कारण वह टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंडिया ए के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गए प्रियांक पांचाल को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। एक हफ्ते से मुंबई में अभ्यास कर रहे रोहित बल्लेबाजी करते समय चोटिल हो गए। चोट काफी गंभीर बताई जा रही है। बीते रविवार को ही रोहित ने परेशानी की शिकायत की थी और सोमवार को जांच के बाद फिजियो को पता चला कि रोहित की चोट गंभीर है। टीम के सलामी बल्लेबाज प्रियांक ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में इंडिया ए टीम की कप्तानी की थी और तीन पारियों में 120 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 96 रनों की अपनी सर्वोच्च पारी खेली थी। वह अब तक गुजरात के लिए 100 मैच खेल चुके हैं और 45.52 की औसत से 7,011 रन बना चुके हैं।

बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने बीपीएल के लिए 6 फ्रेंचाइजियों की पुष्टि की

ढाका ।

बंगाबंधु बंगलादेश प्रीमियर लीग की संचालन परिषद ने बंगग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आठवें संस्करण के लिए छह फ्रेंचाइजियों को अंतिम रूप दिया है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के सूत्रों ने रविवार को इसकी पुष्टि की है। बीसीबी ने इससे पहले कहा था कि उन्हें आठ रुचि पत्र प्राप्त हुए हैं। टूर्नामेंट में तीन पूर्व फ्रेंचाइजियों के साथ तीन नए व्यावसायिक घरानों रूपा एंड मार्न ग्रुप (ढाका डिवीजन), प्रोगोटी ग्रुप (सिलहट डिवीजन) और माइंडट्री (खुलना डिवीजन) के भाग लेने की उम्मीद है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड की ओर से यह भी बताया गया था कि फॉर्च्यून ग्रुप और अख्तर ग्रुप, जिनके पास पिछले संस्करण में क्रमशः बारिसल डिवीजन और चैटोग्राम डिवीजन का स्वामित्व था, ने फिर से इन दो फ्रेंचाइजियों के अधिकार हासिल कर लिए हैं। इस बीच लोटस ग्रुप के स्वामित्व वाली दो बार की चैंपियन कोमिला विक्टोरियंस फ्रेंचाइजी के इस सीजन वापसी की जानकारी सामने आई है, जिसने टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में हिस्सा नहीं लिया था। उल्लेखनीय है कि बीसीबी ने सभी फ्रेंचाइजियों को केवल एक साल का अनुबंध देने का फैसला किया था, क्योंकि इस सीजन के बाद फ्रेंचाइजियों के एक दीर्घकालिक सौदा करने की उम्मीद है। नतीजतन ढाका डायनामाइट्स (बेक्सिमको), रंगपुर राइडर्स (बसुंधरा) और खुलना टाइटन्स (जेमकॉन ग्रुप) जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजियों ने टूर्नामेंट के इस सीजन में हिस्सा न लेने का फैसला किया है।

इस बीच चटगांव चैलेंजर्स फ्रेंचाइजी के प्रबंध निदेशक केएम रिफतुज्जमां ने संवाददाताओं को बताया है कि इस बार तीन विदेशी खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन (एकादश) में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी, जबकि अब तक चार खिलाड़ी शामिल हो सकते थे। उन्होंने कहा, 'हां आप कह सकते हैं कि बोर्ड ने हमें बीपीएल में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। हम यहां बीसीबी से बात करने आए थे और उन्होंने हमें बताया कि हम अपने चटगांव चैलेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।' उल्लेखनीय है कि 20 जनवरी से 20 फरवरी तक बीपीएल का आयोजन होने की उम्मीद है, लेकिन वर्तमान में जो स्थिति है, उस हिसाब से बीपीएल की तारीखें पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) के साथ टकरा रही हैं, जो 27 जनवरी से शुरू होने वाली है.

अबुधाबी में गलत हुआ, हैमिल्टन जीत का हकदार था : नरेन कार्तिकेयन

नई दिल्ली । इस सत्र के फॉर्मूला वन खिताब की दौड़ का विवादास्पद अंत भारत के पहले एफवन ड्राइवर नरेन कार्तिकेयन को पसंद नहीं आया और उनका मानना है कि अबुधाबी ग्रां प्री में लुईस हैमिल्टन जीत के हकदार थे। अबुधाबी में रविवार को सत्र की आखिरी रेस में कई विवादास्पद रेस कंट्रोल कॉल किए गए और आखिरी लैप में रेडबुल के मैक्स वेरस्टाप्पेन ने हैमिल्टन को पछाड़कर जीत दर्ज की। हैमिल्टन का माइकल शूमाकर का सात विश्व खिताब का रिकॉर्ड तोडने का सपना फिलहाल अधूरा रह गया। कार्तिकेयन ने कहा कि ऐसा लग रहा था मानों वे मैक्स को जिताना चाहते थे। यह रोमांचक मुकाबला था लेकिन कल जो हुआ, वह खेल नहीं था। एफवन में करीबी मुकाबले होने चाहिए लेकिन स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। हैमिल्टन जीत की तरफ बढ़ रहे थे जब 58 लैप की रेस के 53वें लैप में निकोलस लतीफी की कार दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सुरक्षा कार ट्रैक पर आई। वेरस्टाप्पेन के नए टायर हैमिल्टन के पुराने टायरों पर भारी पड़े । नियमों के तहत सुरक्षा कार को अगली लैप में चले जाना चाहिए था लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कार्तिकेयन ने कहा कि अगर सुरक्षा कार का वहां रहना जरूरी नहीं हो तो आखिरी कार के गुजरने के बाद उसे पिट में अगली लैप में ही लौट जाना चाहिए था। उन्होंने कहा- इस विवाद को अलग रखकर भी देखें तो लुईस जीत का हकदार था। यह उसकी रेस थी। यह नतीजा सही नहीं रहा।

एशेज टेस्ट: ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज हेजलवुड टीम से हुए बाहर

नई दिल्ली। एडिलेड में एशेज 2021-22 के पहले दिन-रात्रि टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक बड़ा झटका लगा है। एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच शुरू होने से पहले जोश हेजलवुड चोट लगने के कारण बाहर हो गए है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में हेजलवुड ने केवल 14 ओवर फेंके थे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने स्वीकार किया है कि गेंदबाज टेस्ट के दौरान तकलीफ में थे। हेजलवुड को पहला टेस्ट खेलते समय चोट का सामना करना पड़ा था। आईसीसी क्रिकेट डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार जोश हेजलवुड को सिडनी के लिए उड़ान भरते समय कैजुअल कपड़ों में देखा गया था। इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ पिछले सप्ताह अभ्यास मैच खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया ए टीम में रहे झे रिचर्डसन और माइकल नासिर तेज गेंदबाजी में कवर के तौर पर ऑस्ट्रेलिया टीम में हैं। पहले मैच के बाद कप्तान पैट कमिंस ने कहा था कि हेजलवुड थोड़े परेशान थे और ऑस्ट्रेलिया को उन्हें दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए समय लगेगा।

प्राइम वॉलीबॉल लीग की नीलामी मंगलवार को, देश और दुनिया के शीर्ष सितारे होंगे शामिल

कोच्चि ।

भारत में वॉलीबॉल का बुखार आने वाला है क्योंकि कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सितारों को मंगलवार, 14 दिसंबर को कोच्चि में होने वाली प्राइम वॉलीबॉल लीग नीलामी के माध्यम से सात फ्रेंचाइजी टीमों - कालीकट हीरोज, कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स, अहमदाबाद डिफेंडर्स, हैदराबाद ब्लैक हॉक्स, चेन्नई ब्लिट्ज, बेंगलुरु टॉरपीडो और कोलकाता थंडरबोल्ट्स द्वारा करारबद्ध किया जाना है। यह वॉलीबॉल की अब तक की सबसे बड़ी नीलामी है, जिसमें 400 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रत्येक फ्रेंचाइजी अपनी टीम के लिए कुल 14 खिलाड़ियों का चयन कर सकती है, जिसमें 12 भारतीय और 2 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल होंगे। सबसे बड़े भारतीय वॉलीबॉल सितारे, जिनमें अश्वल राय, अजितलाल सी, अखिन जीएस, दीपेश कुमार सिन्हा, जेरोम विनीथ, कार्तिक ए, नवीन राजा जैकब और विनीत कुमार शामिल हैं, को प्लेटिनम श्रेणी में रखा गया है, जबकि इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज कैटेगरी हैं, जिनमें क्रमश- 33, 141 और 205 खिलाड़ी हैं। अंडर-21 वर्ग में कुल 23 खिलाड़ी भी मैदान में उतरेंगे। मंगलवार को नीलामी के दौरान प्राइम वॉलीबॉल लीग इंटरनेशनल प्लेयर ड्राफ्ट में डेविड ली (यूएसए) और लुइस एंटोनियो एरियस गुज़मैन (वेनेजुएला) सहित कई अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शामिल होंगे। प्राइम वॉलीबॉल लीग नीलामी के बारे में बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक और एमडी, तुहिन मिश्रा ने कहा, 'प्रतिभाशाली वॉलीबॉल खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और वॉलीबॉल में एक सफल करियर विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करना हमारा प्रयास है। यह देखना रोचक होगा कि मंगलवार को होने वाली नीलामी में फ्रैंचाइजियों की टीमें कैसी बनती हैं। हम सभी फ्रेंचाइजी को शुभकामनाएं देते हैं। प्राइम वॉलीबॉल लीग के सीईओ, जॉय भट्टाचार्य ने कहा, 'भारत में कई बेहद प्रतिभाशाली उभरते हुए वॉलीबॉल खिलाड़ी हैं, और हम उन्हें कुछ सबसे बड़ी भारतीय और अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल स्टार्स के साथ खेलने का अवसर प्रदान करके खुश हैं। प्राइम वॉलीबॉल लीग नीलामी उस वॉलीबॉल क्रांति की शुरुआत है जिसकी हमने भारत के लिए कल्पना की थी और हम मंगलवार को होने वाली नीलामी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्राइम वॉलीबॉल लीग ने अगले साल होने वाले आगामी सीज़न के लिए प्रत्येक फ्रेंचाइजी के हेड कोच के नामों की भी घोषणा की - अहमदाबाद डिफेंडर्स के कोच होंगे सज्जाद हुसैन और एस दक्षिणामूर्ति। इसी तरह बेंगलुरु टॉरपीडो के कोच केआर लक्ष्मीनारायण होंगे जबकि कालीकट हीरोज के कोच किशोर कुमार होंगे।

ला-लीगा : रियल मैड्रिड ने 2-0 से जीत हासिल की

मैड्रिड।

रियल मैड्रिड ने इस सीजन के ला लीगा खिताब की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए यहां शहर डर्बी में एटलेटिको मैड्रिड को 2-0 से हरा दिया। रियल मैड्रिड इस जीत के साथ टेबल प्वाइंट में शार्ष पर बनी हुई है। वहीं, एटलेटिको मैड्रिड चौथे नंबर है। रियल पिछले पांच मैचों से लगातार जीत रही है, अभी तक टीम ने 17 मैच खेले हैं। एटलेटिको ने पिछले पांच में से दो मैचों में जीत हासिल की है, दो में हार और एक मैच ड्रा हुआ है। अभी तक कुल 16 मैच खेले हैं। अगला मैच मंगलवार को कैडिच और ग्रेनेडा के बीच होगा। ग्रेनेडा टेबल प्वाइंट में 15वें नंबर पर है और कैडिच 19वें नंबर पर है। ग्रेनेडा ने आखिरी पांच में दो मैच में जीत हासिल की है, दो में हार और एक ड्रा हुआ है। कैडिच का पिछले पांच मैचों का रिकॉर्ड खराब रहा है, पांच में से सिर्फ एक मैच जीती है, तान हारे हैं और एक मैच ड्रॉ हुआ है।

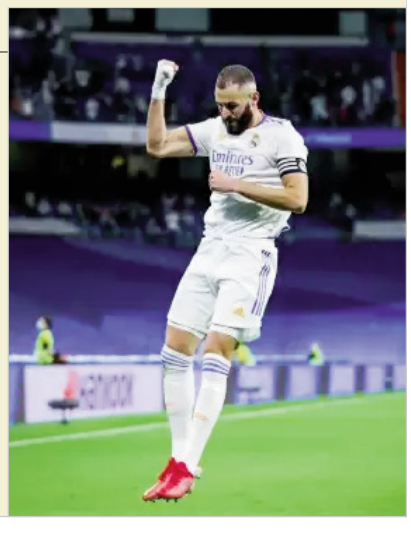

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर बच्चा अलग होता है, खास होता है और बेहद प्यारा होता है। अपने बच्चे की परवरिश के दौरान यह जरूर याद रखें। अपने बच्चे को अपनी तरह से जीने के लिए तैयार करें, ना कि किसी दूसरे के बच्चे की तरह। इससे वह भी खुश रहेगा और आप भी।

आपका बच्चा है सबसे खास

शिवानी बचपन में खासी जिद्दी थी। खाना खाने के नाम पर बिस्तर के नीचे घुस जाती। मां और दादी को खूब चिरौरी करके उसे खाना खिलाना पड़ता। अगर उसका स्कूल यूनिफॉर्म जरा सा भी मैला होता, तो वह स्कूल ही जाने से इनकार कर देती। चोटियों की रिबन एक लेवल पर बंधी होनी चाहिए, शूज के लेस अगर उन्नीस-बीस भी बंधे होते, तो वह खड़े-खड़े रोने लगती। शिवानी ने बाद के दिनों में अपनी जिद पर काबू पा लिया। खासकर जब उसकी बेटी रूही हुई, तो उसे लगा कि वह भी उसी की तरह जिद्दी होगी। पर नहीं। रूही जिद्दी नहीं थी, पर अपनी मां की तरह चुप नहीं बैठती थी। तरह-तरह की कहानियां बनाने का गजब का शौक था रूही को। एक दिन अपनी टीचर से कह आई कि मेरी मां रात को परी लोक चली जाती है और सुबह लौट कर आती है। उसने टीचर से यह भी कहा कि उसके घर में एक राक्षस रहता है। टीचर ने शिवानी को बुलवाया और जब उसे रूही की कहानी के बारे में बताया, तो शिवानी चौंक गई। स्कूल के बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर सी.के. चंद्रा ने बताया कि हर बच्चा अलग होता है। यह जरूरी नहीं कि वह अपने पेरेंट्स की तरह हो। इसलिए हर बच्चे की परवरिश अलग तरह से होनी चाहिए। पेरेंटिंग का वैसे भी कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं होता। अगर बच्चा जिद्दी है, एग्रेसिव है, शर्मीला है या खाने से जी चुराता है, उसे समझाने के लिए आप एक तरह का रवैया नहीं अपना सकते। जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बच्चे को वह जैसा है, वैसा ही अपनाएं। उसके मूल स्वभाव को बदलने की कोशिश ना करें। नौ साल की रंजिनी अच्छा गाती थी, पर दूसरों के सामने गाते समय वह हकलाने लगती थी। रंजिनी की मम्मी पायल चाहती थी कि उसकी बेटी संगीत के रियलिटी शो का हिस्सा बने। रंजिनी स्टेज पर पहुंच कर हकलाने लगी और जज ने उसका मजाक बना दिया। इस घटना का रंजिनी पर इतना बुरा असर पड़ा कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई। वह अब किसी से भी बिना हकलाए बोल नहीं पाती। डॉक्टर मधुमती कहती हैं, 'पेरेंट्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करते हैं। यह गलत है। बच्चों से उस बात की अपेक्षा करिए, जो उनकी पहुंच के अंदर हो। किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव उन्हें या तो विद्रोही बना देता है या दब्बू।'

आपका बच्चा कैसे है खास?

जब पहली बार अपने मुंह से वह मां कहता है, आपकी जिंदगी बदल जाती है। आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कैसा दिखता है, आपके लिए वह संसार का सबसे अनमोल रत्न है। हर बच्चे की जरूरत अलग होती है। आपका बेटा दिन में सिर्फ दो बार दूध पीता है, बेटी चार बार पीती है। बेटा साइंस में कमजोर है और बेटी को भाषा संबंधी दिक्कतें ज्यादा होती हैं। उनकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से आपको उनके भविष्य की तैयारी करनी होगी। दस साल तक के बच्चे लगभग हर बात के लिए पेरेंट्स पर निर्भर करते हैं और सबसे ज्यादा विश्वास अपने माता-पिता पर ही करते हैं।

बच्चों के साथ ये कभी ना करें

बच्चों की छोटी से छोटी समस्या की अनदेखी ना करें। हो सकता है वह आपको अपने से जुड़ी कोई बड़ी बात बताना चाह रहा हो। आपका बच्चा आपकी जिंदगी में रोशनी का काम करता है। पर आप उसका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए ना करें। आपका सपना आपका है, बच्चे का नहीं। अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाए, तो बच्चे को इसके लिए फोर्स ना करें। वह अगर बनना चाहता है, उसकी दिलचस्पी है, तो उसे आगे बढमने में मदद करें। अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों से राजनीति ना करवाएं। बच्चे को घर में दूसरे रिश्तेदारों के खिलाफ ना भडम्काएं। वे इससे कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं और अपना संतुलन खो देते हैं। बच्चे की सीमा को जानें। उस पर सीमा से आगे बढ़ने का दबाव ना डालें। अगर आपके बच्चे को कोई तन या मन से जुड़ी समस्या है, तो उसे स्वीकार करें। बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं और मां-पिता की बेचारगी भांप लेते हैं।

पांच बातें जरूर रखें याद

अगर आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है, तो निश्चित ही वह ट्यूशन जाने से भी बचेगा। सबसे पहले यह जानने की कोशिश कीजिए कि उसे पढ़ना क्यों नहीं पसंद? कहीं वह डिस्लेक्सिक या स्लो लर्नर तो नहीं? अगर नहीं, तो वह जब पढ़ने बैठे तो उसके साथ बैठें और उसे आसान शब्दों में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है इसकी तैयारी आपको पहले से करनी पड़े। शर्मीले बच्चों को उनकी खोल से निकालने के लिए उन्हें अपने साथ किसी क्लब में या बच्चों के ग्रुप में खेलने ले जाएं। शर्मीले बच्चे धीरे रिएक्ट करते हैं। लेकिन अपना काम बखूबी करते हैं। उनको स्पेस दें और उनके काम की तारीफ करें। आप जितना समय उनके साथ बिताएंगी, वे दूसरों के साथ उतनी जल्दी सहज होते जाएंगे। हाइपर एक्टिव बच्चे को हर वक्त किसी काम में लगाएं। उनको एक दिन पहले ही दूसरे दिन के काम के बारे में बता दें। कभी बागवानी, तो कभी क्राफ्ट, कभी पेंटिंग तो कभी खेल-कूद। इन बच्चों को अगर चुपचाप घर बैठने को कहेंगी, तो ये तोड़-फोड़ मचाना शुरू कर देंगे। इनकी एनर्जी सही जगह पर लगाएं। वैसे हाइपर बच्चे जल्दी ही किसी काम से बोर भी हो जाते हैं, पर जो भी काम करते हैं, दिल से करते हैं। झूठ बोलने वाले या ज्यादा गपबाजी करने वाले बच्चे अपनी दुनिया के शहंशाह होते हैं। इनकी बातों पर बहुत ध्यान ना दें, ना ही गंभीरता से लें। अगर आप रस लेकर उनकी बातें सुनेंगी, उनकी बातों को चटखारे लेकर दूसरों को बताएंगी, तो उनकी यह आदत बढ़ती जाएगी। बात-बात पर रोने वाले या घबरा जाने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है। घर का माहौल अगर स्वस्थ नहीं है, कोई बीमार है, झगड़ा ज्यादा होता है या पैसे की तंगी है, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। बच्चे पर इनका असर ना पड़ने दें। बच्चे को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उसकी स्कूल की फीस कितनी है, उसे घर और स्कूल में पढ़ाई का माहौल चाहिए। वह ऐसे लोगों के बीच रहना चाहता है, जहां वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो।

गर्भवती मां की सबसे बड़ी चिंता

भारत में लगभग 87 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि गर्भधारण और बच्चे के जन्म के बाद वो कैसी दिखेंगी। 600 महिलाओं पर किए गए सर्वे के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कभी-कभी बहुत बुरा लगता है, क्योंकि आसपास के सभी लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान होने वाले बच्चे पर होता है, जबकि शारीरिक बदलाव और दर्द के दौर से वो गुजर रही होती है। वहीं, 93 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उन्हें लगता है कि उनके पति चाहते हैं कि बच्चे के जन्म के बाद उनका फिगर पहले जैसा हो जाए। 90 प्रतिशत महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले स्ट्रेच मार्क्स होते हैं।

बस 5 मिनट और आप तैयार

वक्त कम है। ढेर सारा काम है। पर खूबसूरत तो दिखना ही है ना! सिर्फ पांच मिनट में कैसे तैयार हों, ताकि वक्त की कमी आपकी खूबसूरती को निखारने की राह में न आए।

- पांच मिनट के भीतर आप तैयार हो सकती हैं, बशर्ते आपकी आईब्रो सही शेप में हो, आपकी त्वचा भीतर से खूबसूरत हो, आपने वैक्सिंग करवा रखी हो और आपमें किसी भी लुक को अपना बनाने का आत्मविश्वास हो। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए संतुलित और पोषक खाना खाएं और ढेर सारा पानी पिएं। वहीं अपने वॉर्डरोब में मिक्स-एंड-मैच करने वाले कपड़े रखें, ताकि कहीं बाहर जाने से पहले कपड़े तलाशने में आपको वक्त जाया न करना पड़े।
- मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा पर प्राइमर लगाएं। प्राइमर त्वचा को नमी और पोषण देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है। प्राइमर को आप फाउंडेशन भी कह सकती हैं। मेकअप करने के लिए ग्लो अप प्राइमर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा की रंगत एक जैसी दिखेगी और साथ ही उसमें चमक भी आएगी। ग्लो अप प्राइमर एक्ने और अन्य दाग-धब्बों के निशान को भी छुपा देता है। आंखों के लिए नियॉन रंग के आईलाइनर का इस्तेमाल करें। सी ग्रीन, ऑरेंज और एप्पल ग्रीन रंग के आईलाइनर आजकल चलन में हैं। इसके साथ आंखों में काजल, बड़ी बिंदी और लिपस्टिक आपके पूरे लुक को कई गुना बेहतर बना देंगे।
- एक सामान्य-सी ड्रेस को एक्सेसरीज की मदद से आप बेहद खास ड्रेस में तब्दील कर सकती हैं। ए लाइन सलवार-सूट पूरी तरह से आउट ऑफ फैशन हो चुके हैं। अनारकली सूट या मिक्स एंड मैच सलवार-सूट और उसके साथ एक साधारण-सी चोटी से आपको बहुत खूबसूरत लुक मिलेगा। अगर मौका कोई खास है और आप साड़ी पहनने की सोच रही हैं तो उसके साथ कमरबंध भी पहन सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी साड़ी को बंगाली स्टाइल में पहनकर उसके साथ चाबी के छल्ले को एक्सेसरीज के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।
- आपके पूरे लुक का एक अहम हिस्सा है, हेयर स्टाइल। पर, जरूरी नहीं है कि जो हेयरस्टाइल आपकी मम्मी पर बहुत अच्छा लग रहा है, आप पर भी अच्छा लगे। इसलिए अपनी पर्सनैलिटी और लुक को ध्यान में रखते हुए ही अपना हेयरस्टाइल चुनें। फिश टेल चोटी, ढीली पोनीटेल, फ्रेंच जूड़ा और लो जूड़ा भी आप बना सकती हैं। इसके साथ गजरा या अन्य फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करना न भूलें।
- जंक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का चलन अब कम हो रहा है। सोने की ज्वेलरी फिर से चलन में है। अगर आपकी ड्रेस से मैच करती कुंदन ज्वेलरी आपके पास है, तो आप उसे भी पहन सकती हैं।

भारतीय शादी से जुड़े रीति-रिवाजों की तुलना किसी अन्य देश के रीति-रिवाजों से नहीं की जा सकती। हर दिन इस्तेमाल में आने वाली आम चीजें, शादी की रीति-रिवाजों में खास हो जाती हैं। पान, सुपारी और हल्दी जैसी चीजें कैसे बनाती हैं आपकी शादी को खास।

आपकी शादी को खास बनाती हैं ये सामग्री

खूबसूरत त्वचा के लिए हल्दी

शादी से जुड़ी सबसे आम रस्म है हल्दी लगाना। शादी से एक दिन पहले दूल्हा और दुल्हन को शादीशुदा महिलाएं हल्दी लगाती हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी की इस विधि में दुल्हन पीले रंग का कपड़ा पहनती है। हल्दी के कार्यक्रम के बाद दूल्हा और दुल्हन को एक-दूसरे से मिलने की इजाजत नहीं होती है। हल्दी, बेसन और तेल को मिलाकर इस दिन के लिए उबटन बनाया जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होता है, वहीं बेसन त्वचा को साफ करके उसमें चमक लाता है और तेल त्वचा को जरूरी नमी प्रदान करके उसकी खूबसूरती बढ़ाता है। कई बार इस उबटन में चंदन और केसर भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की खूबसूरती और बढ़ सके।

समृद्धि का प्रतीक है चावल

भारतीय खानपान में चावल का प्रमुखता से इस्तेमाल होता है और चावल के इसी गुण के कारण उसे शुद्ध और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शुद्धता के इस प्रतीक का इस्तेमाल हमारे यहां के समारोह और रीति-रिवाजों में बहुलता से किया जाता है। हिंदू विवाह के दौरान नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए उनके ऊपर चावल छिड़का जाता है। ऐसी मान्यता है कि चावल नकारात्मक चीजों को दूर भगाता है, इसलिए विवाह के दौरान प्रज्वलित अग्नि में दूल्हे के द्वारा चावल भी डाला जाता है। घर की देवी को भी चावल अर्पित किया जाता है। शादी के बाद विदाई के वक्त दुल्हन अपने हाथों में चावल भरकर उसे अपने सिर के पीछे की ओर फेंकती है, वहीं अपने ससुराल पहुंचकर वह चावल से भरे बरतन को अपने पैरों से गिराकर घर में प्रवेश करती है। इन दोनों रिवाजों के माध्यम से दुल्हन यह प्रार्थना करती है कि उसके मायके और साथ ही साथ उसके ससुराल में समृद्धि हमेशा बनी रहे।

पान-सुपारी भी हैं खास

हर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ-साथ शादी से जुड़े विभिन्न विधि-विधानों का अहम हिस्सा है पान और सुपारी। कई धार्मिक रीति-रिवाजों में तो सुपारी को देवी का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं, पान का पत्ता ताजगी और समृद्धि का प्रतीक है। कई हिंदू विवाह में पान के पत्ते को दूल्हा और दुल्हन के सिर पर लगाया जाता है। दूल्हे के परिवार का स्वागत भी पान के पत्ते से किया जाता है और अमूमन शादी की हर विधि में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। वहीं, पान का पत्ता और नारियल सभी मेहमानों को धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भी दिया जाता है।

शुद्ध नदियों का प्रतीक पानी

शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। पानी शुद्ध नदियों का प्रतीक है। इसे जिंदगी और जीवन चक्र का आधार माना जाता है। सभी धर्म और समुदाय में सफाई करने के लिए, सेहत को बेहतर बनाने के लिए, अच्छे भविष्य और समृद्धि के लिए शादी के रीति-रिवाजों में पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

इनका भी होता है इस्तेमाल

- आम, केला, नीम और तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल भी शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में किया जाता है। ये सभी पत्ते शुद्धता के प्रतीक हैं।
- जब दुल्हन गृह-प्रवेश करती है, उस समय गुड़ खिलाकर उसका स्वागत किया जाता है। शादी के बाद के विभिन्न रिवाजों में दही का इस्तेमाल भी होता है।
- घी को पवित्र माना जाता है और शादी के अमूमन सभी रिवाजों में घी का इस्तेमाल दीप जलाने के लिए किया जाता है।
- कई समुदायों में दुल्हन के पैर धोने के लिए दूध और नारियल पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

अमेरिका में तबाही : छह राज्यों को 30 बवंडरों ने झकझोरा, कई शहर मलबे में बदले, 100 से ज्यादा की मौत

वाशिंगटन। मध्य और दक्षिणी अमेरिका के कई हिस्सों को 30 से अधिक बड़े बवंडर टोरनेडो ने मलबे में बदल दिया और 100 से ज्यादा लोगों की जान ले ली। अकेले केंटकी में 70 लोग मारे गए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि अब भी कई लोग लापता हैं या मलबे में दबे हुए हैं। अमेरिकी समय अनुसार, यह प्राकृतिक आपदा शुक्रवार और शनिवार रात 6 राज्यों के कई शहरों में आई।

6 राज्यों में एक साथ आए टोरनेडो से अमेजन के गोदाम, नर्सिंग होम, फैक्ट्रियां व सैकड़ों घर तबाह हुए

अमेरिकी मौसम विभाग ने बताया कि सबसे बड़े बवंडर ने 400 किलोमीटर तक तबाही मचाई। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशाहियर ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या 100 से ज्यादा हो सकती है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा नुकसान मोमबत्ती फैक्ट्री में हुआ। मेफील्ड की इस फैक्ट्री में रात के समय 110 लोग काम कर रहे थे। बवंडर ने इस मलबे में बदल दिया। कई लोगों के 15 फुट ऊंचे मलबे के ढेर के नीचे दबे होने की आशंका है। कई घर मलबे के का ढेर ही नजर आ रहे हैं।

अमेजन का गोदाम ढहा, चेतावनी के बावजूद बंद नहीं किया था

इलिनॉइस इसके एडवर्डसविल में अमेजन कंपनी का गोदाम ढहने से 6 लोग मारे गए। यहां के अग्निशमन विभाग प्रमुख जेम्स व्हाइटफोर्ड ने कहा यह संभावना कम है कि अब मलबे में दबा कोई व्यक्ति जीवित होगा। थोक खुदरा वह डिपार्टमेंटल स्टोर यूनियन ने खराब मौसम की चेतावनी के बावजूद गोदाम खुला रखने के लिए अमेजन को

कर्मचारियों की मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

कनाडा में 2 लाख लोगों की बिजली आपूर्ति ठप

कनाडा के ओंटारियो राज्य में 2 लाख लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं, क्योंकि अंधड़ों ने बिजली आपूर्ति ठप कर दी। कनाडा सरकार के अनुसार यहां 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। इस बीच बवंडर में मारे गए लोगों के प्रति रूसी दूतावास ने सांत्वना जताई है। दूतावास ने हुए घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है।

इन राज्यों में भी नुकसान

टेनिसी: शनिवार तक 4 लोगों की मौतों की पुष्टि।

मिसौरी: 2 लोग मारे गए, गवर्नर माइक पारसंस ने कई इमारतें गिरने की पुष्टि की।

अरकंसास: 2 लोगों के मरने की खबर है।

मिसीसिपी: यहां कई मकानों और इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

क्राड-टोरनेडो

इतिहास में दर्ज सबसे बड़ा बवंडर इलिनॉइस है। विश्वविद्यालय के मौसम अध्ययनकर्ता विक्टर गेनजीनी के अनुसार मार्च 1925 के बंदर ने 3 राज्य में 355 किलोमीटर क्षेत्र में नुकसान किया था। इस बार 400 किलोमीटर दूर तक तबाही मचाने वाले को क्राड-टोरनेडो ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

पीड़ितों ने बताया: बवंडर ने फैक्ट्री को झकझोर दिया, फिर धमाका हुआ

मोमबत्ती फैक्ट्री में काम कर रही किया ना पार्षद ने बताया कि श्रमिकों को सुरक्षित जगह रखा गया था लेकिन बवंडर ने फैक्ट्री को ही चपेट में ले लिया सूर्य फैक्ट्री आगे पीछे हिलने लगी फिर अचानक धमाका हुआ और लोग और मालवा आगरा वे खुद भी 5 फीट मलबे में दब गई थी बचाव कर्मियों ने उन्हें निकाला।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा जलवायु परिवर्तन वजह

राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रभावित राज्यों की सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की इस आपदा में भूमिका बताई।

अफगानिस्तान में स्थिरता के लिए अमेरिका-पाक में गहरी साझेदारी जरूरी: पीएम इमरान

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि मानवीय संकट और आर्थिक पतन को रोकने के लिए हर संभव उपाय करके अफगानिस्तान में स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने के वास्ते अमेरिका और पाकिस्तान के बीच गहरी साझेदारी होनी चाहिए। अमेरिकी सीनेटरों के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए खान ने कहा कि दोनों देशों को आतंकवाद सहित क्षेत्र में सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए करीबी सहयोग बनाकर काम करना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी समिट' का बहिष्कार करने संबंधी फैसले के कारण पाकिस्तान के साथ संबंधों में आये नये तनाव के बीच पाकिस्तान पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को महत्व देता है और सभी क्षेत्रों में, विशेष रूप से आर्थिक पैमाने पर इसका विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

उन्होंने कहा कि शांति, स्थिरता और आर्थिक विकास के साझा उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान और अमेरिका के बीच गहरी साझेदारी होनी चाहिए, विशेष रूप से मानवीय संकट और आर्थिक पतन को रोकने के लिए हर संभव उपाय करके अफगान लोगों का समर्थन करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करना चाहिए। खान ने आतंकवाद सहित क्षेत्र में सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए घनिष्ठ सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

चीन में कोरोना वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप के 'उप वंश एवाई.4' के मामले आए सामने

बीजिंग। चीन के झेजियांग प्रांत में हाल ही में कोविड-19 के 138 मामले सामने आए हैं। ये सभी कोरोना वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप के 'उप वंश एवाई.4' से संक्रमित हैं। इसके मद्देनजर अधिकारियों ने पूर्वी प्रांत के लाखों लोगों के बाहर यात्रा करने पर रोक लगा दी। सरकारी समाचार एजेंसी ने अपनी एक खबर में बताया कि

झेजियांग प्रांत में पांच से 12 दिसंबर के बीच कोविड-19 के 138 मामले सामने आए। प्रांतीय मुख्यालय हांगझोऊ से रविवार को आई एक खबर में बताया गया कि झेजियांग में सामने आए 138 मामलों में से निंग्बो में 11, शाओक्सिंग में 77 और प्रांतीय राजधानी हांगझोऊ में 17 मामले सामने आए।

खबर में रोग नियंत्रण एवं रोकथाम के झेजियांग प्रांतीय केन्द्र के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया कि पूर्ण जीनोम अनुक्रमण और विश्लेषण के बाद पता चला है, ये सभी कोरोना वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप के उप वंश एवाई.4 से संक्रमित हैं। इसे अधिक संक्रामक और मूल कोरोना वायरस से अधिक 'वायरल लोड' वाला बताया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने एहतियाती कदम उठाते हुए जनसभाओं और यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। प्रांत की आबादी करीब 6.46 करोड़ है। चीन में अभी तक कोविड-19 के 99,780 मामले सामने आए हैं और संक्रमण से 4,636 लोगों की मौत हुई है।

श्रीलंका में मिला 40 करोड़ साल पुराना दुनिया का सबसे बड़ा नीलम, कीमत उड़ा देगी होश

कोलंबो। श्रीलंका में एक व्यापारी के घर से कुएं की खुदाई के दौरान दुनिया का सबसे बड़ा नीलम मिला है जिसकी कीमत होश उड़ाने वाली है। करीब 510 किलोग्राम के विशाल और बेशकीमती नीलम की कीमत लगभग साढ़े सात अरब रुपए (10 करोड़ डॉलर) आंकी गई है। श्रीलंका अधिकारियों के अनुसार श्रीलंका के रत्नपुरा इलाके की है। यहां बेशकीमती रत्नों के एक व्यापारी डॉ. गमागे के घर के पीछे कुएं की खुदाई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक ये नीलम मिला है। 25 लाख कैरेट के इस नीलाम का वजन लगभग 510 किलो है। डॉ. गमागे के अनुसार, ÷उनके घर में कुएं की खुदाई के दौरान मजदूरों को कोई चमकीली चीज दिखी तो उन्होंने इसकी जानकारी मुझे दी। विशेषज्ञों ने इस नीलम को सेरेंडिपिटी सफायर नाम दिया है। जिसका मतलब होता है किस्मत से मिला नीलम। मशहूर रत्न विशेषज्ञ डॉक्टर जैमिनी जोयसा ने कहा, मैंने इतना बड़ा नीलम इस से पहले कभी भी नहीं देखा है। ये शायद 40 करोड़ साल पहले बना होगा। साथ ही जानकारों का मानना है कि श्रीलंका के रत्न उद्योग के लिए ये नीलम संजीवनी का काम कर सकता है। बता दें कि कोरोना वायरस महामारी और लॉकडाउन के चलते पिछले साल से अब तक यहां के रत्न उद्योग को खासा नुकसान झेलना पड़ा है।

कोविड–19: दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा कोरोना पॉजिटिव पाए गए, हालत स्थिर

दक्षिण अफ्रीका । दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। हालांकि अभी उनकी हालत स्थिर है। हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रपति रामाफोसा की डॉक्टरों द्वारा निगरानी की जा रही थी।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि हाल ही में चार पश्चिम अफ्रीकी राज्यों की यात्रा पर राष्ट्रपति और पूरे दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल का कोविड -19 के लिए परीक्षण किया गया था। जिसमें वे संक्रमित पाए गए हैं।

वह फिलहाल केपटाउन में सेल्फ आइसोलेशन में रहेंगे और उन्होंने अगले हफ्ते के लिए डिप्टी प्रेसिडेंट डेविड माबुजा को सारी जिम्मेदारी सौंप दी है। बयान में रामफोसा के हवाले से कहा गया है कि उनके अपने संक्रमण होने से ने सभी नागरिकों को

टीकाकरण के महत्व और जोखिम के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी के रूप में कार्य किया। राष्ट्रपति जिस दिन कोरोना से संक्रमित पाए गए उस दिन दक्षिण अफ्रीका में 37,875 नए संक्रमण दर्ज किए गए। जो पिछले दिन के 17,154 नए मामलों से काफी अधिक था।

राष्ट्रपति रामाफोसा केपटाउन में थे, वहां पूर्व उप राष्ट्रपति एफडब्ल्यू डी क्लार्क के सम्मान में राज्य स्मारक स्थापित करने के बाद अस्वस्थ महसूस करने लगे थे। तब उनका चेक अप कराया तो रिजल्ट कोरोना पॉजिटिव आया। मंत्री मोंडली गुंगुबेले ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति रामाफोसा एक अच्छी आदमी हैं। दक्षिण अफ्रीकी सैन्य स्वास्थ्य सेवा द्वारा लगातार उन पर निगरानी की जा रही है। गुंगुबेले ने आगे कहा कि राष्ट्रपति रामाफोसा को कोरोना की पूरी डोज लग चुकी है।

बयान में उन्होंने कहा कि स्मारक आयोजन के दौरान हाथों की स्वच्छता, फेस मास्क पहनने और सामाजिक दूरी से संबंधित सभी स्वास्थ्य नियमों का पालन किया गया था, जो लोग रविवार को रामाफोसा के संपर्क में थे, उन्हें लक्षणों को देखने या खुद को कोविड संक्रमण के लिए परीक्षण करने की सलाह दी गई है।

चीन ने नानकिंग नरसंहार की 84वीं बरसी मनाई

बीजिंग। चीन ने सोमवार को नानकिंग नरसंहार की 84वीं बरसी मनाई, जिसमें हजारों आम नागरिक और निहत्थे सैनिकों की जापानी सेना ने हत्या कर दी थी। यह घटना कभी चीन की राजधानी रही नानकिंग में और इसके आस-पास हुई थी। जनमुक्ति सेना (पीएलए) ने नरसंहार में मारे गए 3,00,000 लोगों की याद में बने स्मारक स्थल पर पुष्प चक्र चढ़ाया। दिसंबर 1937 में घटनाक्रम का यह मौत का चीन का आधिकारिक आंकड़ा है। सभा को संबोधित करते हुए उप प्रधानमंत्री सुन चुनलान ने कहा कि वे 'इतिहास से सबक लेने और भविष्य का एक नया अध्याय खोलने के लिए' साथ आए हैं। इस मौके पर चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी की वेबसाइट काले और सफेद रंग में दिखाई दी। वहीं ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया साइट ताओबाओ और वीचैट ने भी पृष्ठभूमि काला कर रखा था। चीन 20वीं सदी के शुरुआती 50 साल तक पूरे एशिया में अपने विस्तारवादी अभियान के दौरान की गई बर्बरता के लिए पर्याप्त पश्चाताप नहीं जताने के लिए जापान की निंदा करता है।

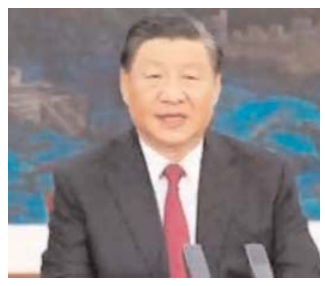

अमेरिका में कोरोना से अब तक आठ लाख मौतें, रोज मिल रहे एक लाख से ज्यादा केस

वाशिंगटन । वाशिंगटन, रायटर। अमेरिका में कोरोना महामारी के चलते मरने वालों की संख्या आठ लाख को पार कर गई है। आखिर की एक लाख मौतें 73 दिन में हुई हैं। संक्रमण के मामले भी प्रतिदिन एक लाख से ज्यादा मिल रहे हैं। लगभग सारे मामले डेल्टा वैरिएंट के ही होते हैं और ओमिक्रोन वैरिएंट के मामले अभी बहुत कम पाए गए हैं। सर्दी बढ़ने और ओमिक्रोन वैरिएंट के चलते संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

तीन डोज से मिलेगी अधिकतम सुरक्षा

अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ और राष्ट्रपति जो बाइडन के मुख्य चिकित्सा सलाहकार एंटनी फासी ने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा कि कोरोना रोधी वैक्सीन की तीन डोज से अधिकतम सुरक्षा मिलेगी। परंतु, पूर्ण टीकाकरण का मानक दो डोज ही बना रहेगा।

एक नजर इन देशों पर

आस्ट्रेलिया : सरकार ने बूस्टर डोज के लिए इंतजार की अवधि को छह महीने से घटाकर पांच महीने कर दिया है।

ब्राजील : सुप्रीम कोर्ट एक जज ने देश में आने वालों के लिए वैक्सीन पासपोर्ट को अनिवार्य बना दिया है। पूर्ण टीकाकरण वालों को ही आने की अनुमति होगी।

बंग्लादेश : यहां भी ओमिक्रोन वैरिएंट पहुंच गया है। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों को ओमिक्रोन से संक्रमित पाया गया है।

ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए ब्रिटेन ने इंग्लैंड में 30 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए बूस्टर डोज की अनुमति दे दी है। सोमवार से इसके लिए बुकिंग शुरू हो जाएगी। दूसरी डोज के दो महीने बाद बूस्टर डोज ली जा सकेगी। प्रधानमंत्री बोरिस जानसन पर पिछले साल दिसंबर में डाउनिंग स्ट्रीट में हुई एक और पार्टी का वीडियो सामने आने पर दबाव बढ़ गया है।

तालिबान ने मदद के लिए भारत को किया धन्यवाद, कहा-दोनों देशों के संबंध 'बहुत महत्वपूर्ण'

काबुल। तालिबान ने भारत से 1.6 मीट्रिक टन चिकित्सीय सहायता की पहली खेप अफगानिस्तान पहुंचने के बाद भारत की तारीफ करते हुए नई दिल्ली को शुक्रिया अदा किया और कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की ओर से भेजी गई सहायता में जीवन रक्षक दवाइयां हैं, जिन्हें एक विशेष विमान से नई दिल्ली से काबुल के लिए पहुंचाया गया। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुन्दजई ने कहा कि इस सहायता से मुश्किल की घड़ी में अफगानिस्तान में कई परिवारों की मदद होगी। मामुन्दजई ने ट्वीट किया, सभी बच्चों को थोड़ी मदद की जरूरत होती है, कुछ आशा और उनमें कोई विश्वास करे। चिकित्सा सामग्री

की पहली खेप भारत से आज सुबह काबुल आई। 1.6 मीट्रिक टन जीवनरक्षक दवाओं से मुश्किल की घड़ी में बहुत से परिवारों की मदद होगी। भारत के लोगों का उपहार। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, अपने उपकार करने वालो के साथ जो साधुता बरतता है, उसकी तारीफ नहीं है। महात्मा तो वह है जो अपने साथ बुराई करने वालो के साथ भी भलाई करे।

इस कठिन समय में अफगानिस्तान के बच्चों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए भारत को धन्यवाद। अमर रहे भारत-अफगान मित्रता।

ब्रिटिश पीएम बोरिस ने ओमीक्रॉन को लेकर दी 'ज्वारीय लहर' की चेतावनी, देश में अलर्ट का स्तर बढ़ाया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन ने ओमिक्रॉन की एक 'ज्वारीय लहर' की चेतावनी दी, और दिसंबर के अंत तक एक महीने तक 18 से अधिक बूस्टर जैब देने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा कि किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिए कि ओमाइक्रोन की एक ज्वार की लहर आ रही है। उन्होंने कहा कि देश के चिकित्सा सलाहकारों ने वैरिएंट से संक्रमण में 'तेजी से वृद्धि' के कारण कोविड अलर्ट का स्तर बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि हमें नए वायरस से सचेत रहने की जरूरत है क्योंकि हम कड़वे अनुभव से जानते हैं कि ये घातीय वायरस कैसे विकसित होते हैं। देश में कुल 1898 मामले थे जबकि इनमें 65 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कोविड के 1239 और पुष्ट मामले दर्ज किए जाने के

बाद पांचवें चरण के कोविड अलर्ट स्तर में वृद्धि हुई है। ब्रिटेन में ओमाइक्रोन के कुल मामलों की संख्या 3137 हो गई है। ब्रिटेन ने जून में कोरोनावायरस प्रतिबंधों में ढील देना शुरू किया और अलर्ट स्तर तीन चरण पर था, जिसका अर्थ है कि महामारी सामान्य प्रचलन में है। स्तर चार का अर्थ है ÷प्रसारण उच्च है और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव व्यापक और पर्याप्त या बढ़ रहा है÷। इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड के चार मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि यह कदम ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी, एक सार्वजनिक स्वास्थ्य निकाय की सलाह से लिया गया था।इस बीच कोविड-19 के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान सामाजिक मेल-जोल पर लगी रोक के बीच पिछले साल दिसंबर में डाउनिंग स्ट्रीट में आयोजित एक कथित समारोह की तस्वीर सामने आने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन विवादों में घिर गए हैं और दबाव के बीच कोविड को लेकर उनकी यह प्रतिक्रिया सामने आई है।

सिंध और बलूचिस्तान को पाकिस्तान से आजाद कराए भारत, एमक्यूएम नेता अल्ताफ हुसैन की अपील

लंदन। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के नेता अल्ताफ हुसैन ने संयुक्त राष्ट्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय संसद और ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जानसन से पाकिस्तान के कब्जे से सिंध और बलूचिस्तान को मुक्त कराने की मांग की है। कहा है कि इन इलाकों में पाकिस्तान सेना और शासक दशकों से उत्पीड़न कर रहे हैं, लोगों की हत्याएं कर रहे हैं और उन्हें गायब कर रहे हैं। यह सब बर्दाश्त की सीमा के पार चला गया है। इसलिए भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर दोनों प्रदेशों को पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त

कराएं। उन्होंने अपने एक संदेश में कहा है कि पाकिस्तान की सरकार और सेना आतंकी संगठनों के साथ मिलकर दोनों प्रदेशों में भय का वातावरण बनाए हुए है। साथ ही भारत और अन्य पड़ोसी देशों में आतंकियों को भेजकर वहां खूनखराबा करवाते रहते हैं। उनके कृत्यों पर अविलंब रोक लगाए जाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि एमक्यूएम नेता लंबे समय से ब्रिटेन में रहकर पाकिस्तान के उत्पीड़ित लोगों को आवाज उठा रहे हैं।

बता दें कि अल्ताफ हुसैन काफी लंबे समय से लंदन में निर्वासित जीवन बिता रहे हैं। अल्ताफ लंदन से ही अपनी राजनीतिक पार्टियों की सरगर्मियों में हिस्सा लेते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार की तरफ से उनके ऊपर कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं। अल्ताफ हुसैन को भारत समर्थक माना जाता है। कई बार पहले भी वो इसी तरह की अपील भारत से कर भी चुके हैं।

उनका आरोप है कि बंटवारे के बाद भारत से पाकिस्तान आने वालों को वहां की सरकार हमेशा धोखा ही दिया है।

उनको हमेशा से अलग समझकर उनके खिलाफ षड़यंत्र रचे गए और उन्हें जेलों में ठूंसा गया, यातनाएं दी गई। सरकारी नौकरियों का भी लाभ उन्हें कभी नहीं मिल सका। अल्ताफ हुसैन समय-समय पर पाकिस्तान सरकार और सेना की कारगुजारियों को सामने लाने का भी काम करते रहे हैं।

दुबई दुनिया की पहली पेपरलेस सरकार, 35 करोड़ अमेरिकी डालर की होगी बचत

दुबई। दुबई सरकार दुनिया में पहली ऐसी सरकार बन गई है जो पूरी तरह पेपरलेस है। अमीरात के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मुहम्मद बिन राशिद अल मकतौम ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि इससे 35 करोड़ अमेरिकी डालर और 1.4 करोड़ श्रम-घंटों की बचत होगी।

शेख ने एक बयान जारी कर बताया कि सभी आंतरिक व बाहरी लेन-देन और दुबई सरकार में सभी प्रक्रियाएं अब 100 प्रतिशत डिजिटल हो गई हैं और व्यापक डिजिटल सरकारी सेवा प्लेटफार्म से उनका प्रबंधन किया जा रहा है। इस लक्ष्य की उपलब्धि जीवन के सभी पहुलओं को डिजिटलाइज करने की दुबई की यात्रा के नए पड़ाव की शुरुआत है। इस यात्रा की जड़ें नवाचार, सृजनात्मकता और भविष्य पर फोकस में निहित हैं। दुबई की पेपरलेस रणनीति को पांच लगातार चरणों में क्रियान्वित किया गया और

हर चरण में दुबई सरकार के विभिन्न समूह शामिल थे। पांचवे चरण के अंत में रणनीति को अमीरात में सभी 45 सरकारी विभागों में लागू कर दिया गया। ये विभाग 1,800 डिजिटल सेवाएं प्रदान करते हैं और 10,500 से ज्यादा प्रमुख लेन-देन करते हैं।

एक बयान में कहा गया है कि भाग लेने वाली संस्थाओं के बीच सहयोग और एकीकरण ने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली प्रक्रियाओं और सेवाओं के स्वचालन को सक्षम किया, जिससे कागज की खपत में 336 मिलियन से अधिक की कटौती हुई। इस रणनीति ने दुबई सरकार में 35 करोड़ अमेरिकी डालर और 1.4 करोड़ से अधिक श्रम-घंटों को बचाने में भी मदद की।

दुबई सरकार में पूर्ण डिजिटल परिवर्तन सभी निवासियों के लिए स्मार्ट सिटी अनुभव को समृद्ध करेगा, कागजी लेनदेन और दस्तावेजों की आवश्यकता को पूरी तरह से खत्म कर देगा। चाहे वे ग्राहकों को सौंपे जाएं या सरकारी संस्थाओं में कर्मचारियों के बीच आदान-प्रदान करें। डिजिटलाइजेशन दुबईनाउ एप्लिकेशन के माध्यम से निवासियों के लिए असाधारण अनुभव प्रदान करने में भी मदद करेगा, जो 12 प्रमुख श्रेणियों में 130 से अधिक स्मार्ट सिटी सेवाओं तक पहुंच की अनुमति देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काशी विश्वनाथ धाम के गांधी जी सपने को साकार करने का कार्य पहली बार देखने को मिल रहा है

गांधी के नाम पर कई लोगों ने प्राप्त की सत्ता, लेकिन काशी में उनका सपना पहली बार हुआ पूरा-योगी

वाराणसी (एजेंसी)

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को किसी पार्टी का नाम लिए बगैर कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर कई लोगों ने सत्ता प्राप्त की होगी, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम के गांधी जी सपने को साकार करने का कार्य पहली बार देखने को मिल रहा है। योगी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम के नए स्वरूप के लोकार्पण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए यह कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, आज बाबा विश्वनाथ धाम एक नये रूप में, नये कलेवर में सामने है और महात्मा गांधी की उस पीड़ा को दूर करने का भी एक माध्यम बना है जो आज से सौ वर्ष पहले इसी काशी में आकर उन्होंने यहां की तंग गलियों और गंदगी को देखकर अपनी पीड़ा को व्यक्त किया था। विदित हो कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम के नव्य एवं भव्य स्वरूप का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर कहा कि देश और दुनिया में हर भारतवासी, जो भारतीय संस्कृति, भारतीय परंपरा और भारतीय सभ्यता का अनुगामी है, आज प्रफुल्लित व आह्लादित है। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि काशी बाबा विश्वनाथ का पावन धाम है लेकिन एक हजार वर्षों से जिन विपरीत परिस्थितियों का सामना काशी ने किया, उन विपरीत परिस्थितियों का साक्षी न केवल काशीवासी, बल्कि हर भारतवासी रहा है। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण में इंदौर की महारानी अहिल्या बाई होल्कर और महाराजा रणजीत सिंह द्वारा दिये गये योगदान का भी उल्लेख किया।

सीबीएसई ने 10वीं के प्रश्न पत्र से विवादित सवाल हटाया छात्रों को मिलेंगे पूरे मार्क्स

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

सीबीएसई ने नोटिस में कहा, 'कक्षा 10वीं टर्म-1 परीक्षा के इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर क्वेश्चन पेपर के पैसेज का एक सेट बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं है। इस पर मिले फीडबैक के आधार पर बोर्ड ने इस मामले को विषय विशेषज्ञों के पास समीक्षा के लिए भेजा था। उनकी सिफारिश के आधार पर पैसेज नंबर 1 और इससे संबंधित प्रश्न को प्रश्न पत्र से हटाने का फैसला लिया गया है। इसके बदले में स्टूडेंटस् को फुल मार्क्स दिए जाएंगे। आपको बता दें कि शनिवार को आयोजित 10वीं की परीक्षा में प्रश्नपत्र में महिलाओं की मुक्ति ने बच्चों पर माता-पिता के अधिकार को समाप्त कर दिया और अपने पति के तौर-तरीके को स्वीकार करके ही एक मां अपने से छोटों से सम्मान पा सकती है जैसे वाक्यों का उपयोग किया गया जिस पर आपत्ति जतायी गई। प्रश्नपत्र के विवादित अंश सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। इन्हें लेकर ट्विटर पर लोग सीबीएसई पर निशाना साध रहे थे और यूजर्स हैशटैग #सीबीएसई इनसल्टस वुमैन (सीबीएसई ने महिलाओं का अपमान किया) का समर्थन करने का आह्वान करते दिखाई दे रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा में सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में आए विवादास्पद प्रश्न का मुद्दा उठाया था। उन्होंने अंग्रेजी के प्रश्न पत्र में आए पैसेज को महिला विरोधी बताते हुए सीबीएसई बोर्ड और शिक्षा मंत्रालय से इस प्रश्न को वापस लेकर माफीनामा जारी करने की मांग की थी। उन्होंने पैसेज का उल्लेख करते हुए अंग्रेजी में उसके दो वाक्यों को भी पढ़ा जिनमें लिखा है, महिलाओं को स्वतंत्रता मिलना अनेक तरह की सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं का प्रमुख कारण है। और पत्नियां अपने पतियों की बात नहीं सुनती हैं जिसके कारण बच्चे और नौकर अनुशासनहीन होते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि पूरे पैसेज में इसी तरह के निंदनीय विचार हैं और नीचे पूछे गए प्रश्न भी उतने ही संवेदनाहीन हैं। उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह शिक्षा के मानकों और परीक्षण में खराब स्तर को दर्शाता है और सशक्त तथा प्रगतिशील समाज के खिलाफ है।

राजस्थान में ओमिक्रोन के चार नए मामले सामने आए

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रोन के चार नए मामले सामने आए हैं। चारों नए केस राजस्थान में पाए गए हैं जिसके साथ ही राज्य में ओमिक्रोन के मामलों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। ओमिक्रोन के संक्रमितों की संख्या के लिहाज से राजस्थान देश में दूसरे नंबर पर है जबकि 18 मामलों के साथ महाराष्ट्र नंबर वन पोजिशन पर बना हुआ है। देश में कोरोना का यह नया वैरिएंट केंद्र शासित चंडीगढ़ के अलावा सात राज्यों में फैल चुका है। नए आंकड़ों के साथ ही देश में ओमिक्रोन के संक्रमितों की संख्या बढ़कर 42 हो चुकी है। जयपुर के सीएमएचओ नरोत्तम शर्मा ने बताया कि एक ही परिवार के चार सदस्यों को कोरोना के नए वैरिएंट से संक्रमित पाया गया है। आदर्श नगर जनता कालोनी में रहने वाले इस परिवार के सदस्यों की दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद जांच की गई थी। परिवार के अन्य सदस्य भी संक्रमित यात्रियों के संपर्क में आए थे। पहले पांच लोग ओमिक्रोन से संक्रमित पाए गए थे। अब बाकी चार लोगों की रिपोर्ट भी पाजिटिव पाई गई है। जयपुर में पिछले कुछ दिनों में विदेश से लौटे लोगों की जीनोम जांच की रिपोर्ट आनी बाकी है। इसमें यूक्रेन से लौटे चार लोग, जर्मनी से लौटे एक परिवार के चार सदस्य और अमेरिका से लौटे दो व्यक्ति शामिल हैं। इन लोगों के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।

अभिनेत्री करीना कपूर और अमृता अरोड़ा कोरोना पॉजिटिव

मुंबई, (एजेंसी)।

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर और उनकी करीबी दोस्त अमृता अरोड़ा कोरोना पॉजिटिव पाई गईं हैं. इस खबर के आते ही बॉलीवुड में हलचल मच गई हैं. बता दें कि हाल ही में करीना और अमृता दोनों अभिनेत्रियां अपने दोस्तों के साथ कोरोना नियमों का उल्लघंन करते हुए कई पार्टी अटेंड करते हुए स्पॉट की गई थीं. इस बीच मुंबई महानगरपालिका ने करीना कपूर और अमृता अरोड़ा के संपर्क में आनेवाले लोगों की आरटीपीसीटी टेस्ट करने के आदेश दिए है. मनपा अब उन सभी लोगों को ट्रेक करने की कोशिश कर रही है जो पिछले दिनों इनके साथ पार्टी में शामिल हुए थे. या फिर किसी भी तरह से संपर्क में आए थे. बता दें कि पिछले दिनों करीना कपूर अपने गर्ल गैंग के साथ भी पार्टी करते हुए देखी गई थीं. इस पार्टी में उनके साथ उनकी बहन करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा भी शामिल हुई थीं. ये पार्टी अनिल कपूर की बेटी रिया कपूर के घर पर रखी गई थी.

दिवाली समाप्त होने के बाद प्रकरण को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पटाखों की बिक्री, भंडारण और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ दिवाली से पहले दायर याचिका का निपटारा कर कहा कि दिवाली समाप्त होने के बाद प्रकरण को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है। याचिका में दिल्ली सरकार के 15 सितंबर के आदेश में संशोधन की मांग हुई थी, जिसमें प्रदूषण की वजह से सभी तरह के पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया था। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा था कि पूर्ण प्रतिबंध के बजाय, अधिकारियों को हरित पटाखे या ग्रेडेड रेगुलेशन का विकल्प चुनना चाहिए। अदालत ने आदेश के द्वारा इस साल चार नवंबर को मनाई गई दिवाली से पहले पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा कि याचिका दिवाली त्यौहार से पहले दायर की गई थी। लेकिन अब त्यौहार संपन्न हो चुका है। पीठ ने कहा कि ''हमें याचिका जारी रखने का कोई औचित्य नहीं दिखता हैं, इसके बाद पीठ ने कहा, ''याचिका का निपटारा किया जाता है।'' उच्च न्यायालय राहुल सांवरिया और तनवीर की याचिका की सुनवाई कर रहा था। याचिका में दावा किया था कि दिल्ली सरकार का पटाखे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय अधिकारों के दुरुपयोग की मिसाल है, क्योंकि शीर्ष अदालत ने कभी भी राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश नहीं दिया था। याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता गौतम झा के माध्यम से कहा था कि वे 15 सितंबर के आदेश में संशोधन की मांग कर रहे हैं, जिसमें प्रदूषण की चिंताओं के मद्देनजर दिवाली के त्यौहार के दौरान सभी प्रकार के पटाखों के भंडारण, बिक्री और फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। वकील ने आगे कहा था कि पूर्ण प्रतिबंध के बजाय अधिकारियों को हरित पटाखों या ग्रेडेड रेगुलेशन का विकल्प चुनना चाहिए थ।

गैंगस्टर और पूर्व सांसद अतीक अहमद की 8.14 करोड़ रुपए की संपत्ति ईडी ने कुर्क की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत सरकार के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के 'गैंगस्टर' और पूर्व सांसद अतीक अहमद की आठ करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई उनके खिलाफ चल रही धनशोधन के मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। एजेंसी ने कहा कि संपत्तियों को अस्थायी तौर पर कुर्क किया गया है जिनमें, जमीन और बैंक खातों में जमा राशि है जिसकी कुल कीमत 8.14 करोड़ रुपये है और ये पूर्व विधायक एवं माफिया अहमद तथा उनकी पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम पर है। कार्रवाई एजेंसी के लखनऊ जोनल कार्यालय ने की है।जोन के संयुक्त निदेशक राजेश्वर सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि धनशोधन रोकथाम (पीएमएलए) कानून के तहत संपत्तियां कुर्क की गई हैं। आदेश के मुताबिक, ईडी ने इलाहाबाद के फूलपुर तहसील में स्थित भूखंड को कुर्क किया है और यह परवीन के नाम पर है। ईडी ने बताया, अतीक अहमद ने सिर्फ 4.5 करोड़ रुपए में यह संपत्ति खरीदी थी, जो सरकारी मूल्य 6.86 करोड़ रुपए से बहुत कम है। कुर्क संपत्ति में, अहमद के 10 खातों और परवीन के एक खाते में पड़े 1.25 करोड़ रुपए भी शामिल हैं। अहमद (59) फिलहाल गुजरात की साबरमती जेल में न्यायिक हिरासत में बंद हैं और ईडी ने पिछले कुछ महीनों के दौरान उनसे पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज किया है। उन पर उत्तर प्रदेश सरकार ने गैंगस्टर कानून के तहत भी मामला दर्ज किया है।

एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में पाया गया है कि अहमद ने आपराधिक गतिविधियों के जरिए अवैध तरीके से पैसा अर्जित किया और नकद को अपने और रिश्तेदारों के खातों में जमा कराया। बयान में कहा गया है, ईडी ने यह भी देखा कि उनके खातों में विभिन्न कंपनियों ने पैसा भेजा और इन कंपनियों को उनके (अहमद के) सहयोगी संचालित कर रहे थे। उसमें बताया गया है कि इस पैसे का इस्तेमाल उनकी पत्नी के नाम पर जमीन खरीदने के लिए किया गया, जो सरकारी मूल्य से काफी कम कीमत पर खरीदी गई है। एजेंसी ने कहा कि उसे इन संपत्तियों और लेन-देन की जानकारी कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय, आयकर विभाग और कुछ अन्य एजेंसियों से मिली है। बयान में कहा गया है, आरोपियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और इन कंपनियों में निवेश किए गए पैसे के स्रोत का पता लगाने के लिए छानबीन की जा रही है। एजेंसी ने कहा कि आने वाले दिनों में अहमद और उनके सहयोगियों के खिलाफ कुर्की के ऐसे और आदेश जारी किए जा सकते हैं।

मंत्री हरदीप पुरी ने बताया- केंद्र सरकार ने तेल बांड पर 1,38,909 करोड़ रुपए के ब्याज का भुगतान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने सोमवार को उच्च सदन को बताया कि 2005-06 से 2009-10 के दौरान, कुल 1,48,186 करोड़ रुपए मूल्य के तेल बांड जारी किए गए थे और इन बांड पर 1,38,909 करोड़ रुपए ब्याज हुआ जिसका सरकार ने 2020-21 तक भुगतान कर दिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने इन बांड पर 2013-14 से 2020-21 तक कुल 80,452 करोड़ रुपए की ब्याज राशि का भुगतान किया। उन्होंने कहा कि वित वर्ष 2020-21 में कुल 9,990 करोड़ रुपए की ब्याज राशि का भुगतान किया गया और चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 9,990 करोड़ रुपए की ब्याज राशि भुगतान के लिए देय है। पुरी ने कहा कि 3,500 करोड़ रुपए की कुल राशि के छह तेल बांड परिपक्व हुए और 2013-14 से 2019-20 के दौरान इनका भुगतान किया गया। तेल बांड पर कुल भुगतान 3,20,000 करोड़ रुपए (लगभग) होने का अनुमान है जिसमें 1,48,186 करोड़ रुपये की मूलराशि और 1,71,000 करोड़ रुपए की ब्याज राशि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस साल अप्रैल से सितंबर के बीच सरकार को पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क के रूप में 1,70,894 करोड़ रुपए प्राप्त हुए जबकि 2019-20 में 2,23,057 करोड़ रुपए तथा 2020-21 में 3,72,970 करोड़ रुपए मिले। 2014-15 में 99,068 करोड़ रुपए और 2015-16 में 1,78,477 करोड़ रुपऐ सरकार को इस मद में मिले थे।

लंबी दूरी की सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड टारपीडो का हुआ सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने ओडिशा के बालासोर के तट से लंबी दूरी की सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड टारपीडो (स्मार्ट) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। भारतीय नौसेना के लिए डीआरडीओ द्वारा हथियार प्रणाली विकसित की जा रही है। यह जानकारी रक्षा अधिकारियों ने दी है। साथ ही डीआरडीओ ने कहा कि इस मिसाइल को टारपीडो की पारंपरिक सीमा से कहीं अधिक एंटी-सब मरीन में युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। डीआरडीओ और भारतीय वायु सेना ने पोखरण रेंज से स्वदेशी रूप से निर्मित हेलीकाप्टर-लान्च (स्टैंड-ऑफ एंटी-टैंक) मिसाइल की उड़ान का सफल परीक्षण किया था। मिसाइल अत्याधुनिक साधक से लैस है, जो सुरक्षित दूरी से उच्च परिशुद्धता स्ट्राइक क्षमता प्रदान करता है। यह हथियार 10 किलोमीटर तक की सीमा में लक्ष्य को बेअसर कर सकता है। इसके पहले 22 अक्टूबर को प्रमुख शोध संगठन ने ओडिशा में बंगाल की खाड़ी के तट से दूर चांदीपुर में अभ्यास की विभिन्न प्रणालियों और इसके उच्च गति वाले व्यय योग्य हवाई लक्ष्य का परीक्षण किया था। विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए वाहन का उपयोग हवाई लक्ष्य के रूप में किया जा सकता है।

गुजरात की भूपेंद्र पटेल सरकार पर बरसे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने गुजरात सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गुजरात में सरकारी स्कूल लगातार बंद हो रहे हैं। कई सरकारी स्कूल ऐसे हैं जहां टीचर, पानी और शौचालय तक नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है ताकि नेताओं के प्राइवेट स्कूल जनता को लूट सके। लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल की जगह प्राइवेट में भेजने को मजबूर हो जाए इसलिए सरकारी स्कूलों को बर्बाद किया जाता है। आप के आधिकारिक हैंडल ने ट्वीट करते हुए कहा, जैसे दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था ठीक की है आम आदमी पार्टी गुजरात के लोगों के साथ मिलकर गुजरात के स्कूल भी ठीक करेंगे। ग़रीबों और मध्यमवर्ग के बच्चों को भी अब अच्छी शिक्षा मिलेगी। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने गुजरात के लोगों से कहा कि वहां भी दिल्ली जैसी शिक्षा क्रांति की जरूरत है। बता दें कि इससे पहले भी आम आदमी पार्टी आप की नेता आतिशी ने एक कार्यक्रम के दौरान सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर सवालिया निशान लगाया था। जबकि बीजेपी नेता सुनील देवधर ने आरोप लगाया कि दिल्ली में आप सरकार हर साल विज्ञापनों पर टैक्स दोने वालों के 600 करोड़ रुपये'' खर्च करती है। गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी कहा कि हमारे राज्य में शिक्षा व्यवस्था पर काफी काम किया गया है जिसका परिणाम है कि इस साल निजी स्कूलों के करीब चार लाख छात्रों ने सरकारी स्कूलों में एडमिशन लिया है।

नागालैंड में मारे गए लोगों के परिजनों ने मुआवजा लेने से किया इनकार

नई दिल्ली । नागालैंड के मोन जिले के ओटिंग गांव में सेना की गोलीबारी में मारे गए 14 लोगों के परिवार वालों ने घटना में शामिल सुरक्षा कर्मियों को 'न्याय के कटघरे' में लाने तक कोई भी सरकारी मुआवजा लेने से इनकार कर दिया है। ओटिंग ग्राम परिषद ने एक बयान में कहा कि पांच दिसंबर को जब स्थानीय लोग गोलीबारी और उसके बाद हुई झड़प में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था कर रहे थे, तब राज्य के मंत्री पी पाइवांग कोन्याक और जिले के उपायुक्त ने 18 लाख 30 हजार रुपये दिए। बयान में कहा गया कि पहले उन्हें लगा कि यह मंत्री ने सद्भावना के तौर पर दिए हैं, लेकिन बाद में पता चला कि यह मारे गए और घायलों के परिवारों के लिए राज्य सरकार की ओर से अनुग्रह राशि की एक किस्त थी। बयान में कहा गया, 'ओटिंग ग्राम परिषद और पीड़ित परिवार, भारतीय सशस्त्र बल के 21वें पैरा कमांडो के दोषियों को नागरिक संहिता के तहत न्याय के कटघरे में लाने और पूरे पूर्वात्तर क्षेत्र से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को हटाने तक इसे स्वीकार नहीं करेंगे। इस बयान को रविवार को जारी किए गया, जिस पर ग्राम परिषद के अध्यक्ष लोंगवांग कोन्याक, अंग (राजा) तहवांग, उप अंग चिंगवांग और मोंगनेई और न्यानेई के गांव बुराह (गांव के मुखिया) के हस्ताक्षर थे। पुलिस के अनुसार, जिले में चार से पांच दिसंबर के दौरान एक असफल उग्रवाद विरोधी अभियान और जवाबी हिंसा में कम से कम 14 नागरिक की मौत हो गई और एक सैनिक की जान चली गई थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी शहीदों को याद करते हुए कू एप पर कहा, ÷13 दिसंबर 2001 को संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में अपने प्राणों की आहुति देकर लोकतंत्र के मंदिर की रक्षा करने वाले अमर शहीदों को नमन पियुष गोयल ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कू एप पर कहा, ÷ यह कभी न भूलें कि आज ही के दिन 20 साल पहले भारतीयों के साहस और बलिदान की जीत हुई थी। 2001 में भारत के लोकतंत्र के मंदिर पर कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला बेजोड़ वीरता के साथ किया गया था। अपने प्राणों से हमारी संसद की रक्षा करने वाले वीरों को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि।

अयोध्या- हनुमानगढ़ी मंदिर को भी राम मंदिर की तरह प्रदान की जाए भव्यता : जूना अखाड़ा

अयोध्या । राम नगरी अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के साथ प्रसिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर को भी भव्यता प्रदान किए जाने की मांग जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी ने उठाई है। और वर्तमान भाजपा की सरकार से मांग किया है। आने वाले विधानसभा चुनाव में धार्मिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति को ही अयोध्या का जनप्रतिनिधि बने। दरसल जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी अयोध्या पहुंचे। जहां राम जन्मभूमि परिसर में रामलला के दर्शन के साथ मंदिर निर्माण के कार्यों को भी देखा। अयोध्या पहुंचे जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी ने कहा कि अयोध्या में सदियों के बाद एक ऐसा अवसर आया है। कि वास्तव में प्रभु श्री राम चक्रवर्ती सम्राट भी थे। और इस विराट के स्वामी भी हैं। उनका जैसा भव्य और दिव्य विशालतम मंदिर बनना चाहिए आज उसी तरह मंदिर बन रहा है। और प्रभु श्री राम केवल एक समुदाय के नहीं है। प्रभु समग्र सृष्टि के हैं।

अयोध्या महोत्सव का आगाज 23 दिसंबर से

-लोक संस्कृति की झलक बिखेरेंगे कलाकार

अयोध्या (एजेंसी)।

यूपी की राम नगरी अयोध्या में सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार लोक संस्कृति से ओतप्रोत अयोध्या महोत्सव का आगाज 23 दिसंबर से 6 जनवरी तक होगा। इस दौरान अमृत महोत्सव की प्रदर्शनी, अन्नदाता सम्मान समारोह, विशाल दंगल, बॉलीवुड नाइट आकर्षण का केंद्र बने। जिसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। अयोध्या महोत्सव इस बार बेहद आकर्षक रूप में दिखाई देगा। इसके लिए 23 दिसंबर से शुरू हो रहे इस आयोजन में कई तरह के आयोजन को शामिल किया गया है। 23 सितंबर को मात्र शक्तियों द्वारा दुरदुरिया पूजन, अमृत महोत्सव प्रदर्शनी स्थल का उद्घाटन होगा। वही 24 दिसंबर को अन्नदाता सम्मान समारोह अयोध्या आइडल और कॉमेडी नाइट का भी आयोजन किया जाएगा। तो वही 25 दिसंबर को अमृत महोत्सव के तहत भारत माता की आरती का आयोजन होगा। 26 दिसंबर को विशाल राष्ट्रीय दंगल व अयोध्या आयडल फोक अवार्ड शो भी आयोजित होगा। तो ही 27 दिसंबर को 1100 कन्याओं का पूजन, लोक कला चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 28 दिसंबर को अद्भुत रंगोली की प्रदर्शनी व कवि सम्मेलन अयोध्या के धरती से अपने रंग को बिखेरेंगे। 29 दिसंबर को बॉलीवुड नाइट केशव का आयोजन होगा। और 30 दिसंबर को सोशल वेलफेयर अवार्ड व डांडिया नाइट का आयोजन किया जाएगा। 31 दिसंबर को स्पेशल नाइट व 1 जनवरी को न्यू ईयर नाइट का आयोजन होगा। 2 जनवरी को सम्मान समारोह किया जाएगा। 3 जनवरी को क्लासिकल नाइट व अवध में राम को लेकर आयोजन किए जाएंगे। तो वही 4 जनवरी को भोजपुरी सिनेमा अवार्ड, 5 जनवरी को युवा कुंभ आर्ट अवार्ड का आयोजन होगा। 6 जनवरी को इस कार्यक्रम के समापन के साथ ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्य अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अयोध्या महोत्सव जनपद ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारत के विभिन्न विधाओं कलाकारों साहित्यकारों चित्रकारों शिक्षाविदों व अन्य प्रतिभाओं का एक मंच प्रदान करता है हमारी संस्कृति संस्कार व परंपरा के संरक्षण के लिए इस प्रकार के आयोजन की आवश्यकता है। इसी के तहत अयोध्या महोत्सव का आयोजन पारंपरिक कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

काशी की संकरी गलियों से गुजरे पीएम मोदी लोगों ने की फूलों की बारिश

वाराणसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण के लिए अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में हैं। वाराणसी पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने सबसे पहले काशी के कोतवाल कहे जाने वाले काल भैरव मंदिर गए और वहां दर्शन और आरती की। इसके बाद वह क्रूज के जरिए गंगा मार्ग से होते हुए ललिता घाट पहुंचे और गंगा में डुबकी लगाई। पीएम मोदी काल भैरव मंदिर में दर्शन करने के बाद बनारस की संकरी गलियों से होकर गुजरे। यहां लोगों ने उनका शानदार स्वागत किया और उनपर गुलाब के फूलों की बारिश की। साथ की 'मोदी-मोदी' और 'हर हर महादेव' के नारे लगाए। काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के मौके पर पूरे वाराणसी को दुल्हन की तरह सजाया गया है। काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी करीब सवा घंटे तक गर्भगृह में पूजा अर्चना करेंगे और उसके बाद वह मंदिर चौक पर संतों और प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में स्वर्ण शिखर को निहारते हुए आयोजित कार्यक्रम में स्थान ग्रहण करेंगे। पीएम मोदी धाम में बनी वाराणसी गैलरी, सिटी म्यूजियम, मुमुक्षु भवन समेत अन्य भवनों को भी देखेंगे। शाम में पीएम मोदी संत रविदास घाट आएंगे। इसके बाद वह दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल होंगे।

यूपी चुनाव के लिए बीजेपी ने कसी कमर 19 दिसंबर से 5 यात्राएं शुरू करेगी पार्टी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) 19 दिसंबर को राज्य में अलग-अलग जगहों से पांच जन विश्वास यात्राएं शुरू करेगी। साथ ही छठी यात्रा 20 दिसंबर से शुरू होगी। बीजेपी के वरिष्ठ नेता यात्रा को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर, ब्रज के मथुरा, बुंदेलखंड के झांसी, पूर्वी उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर और बलिया से हरी झंडी दिखाएंगे। छठी यात्रा पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से भी शुरू होगी। इन यात्राओं के प्रभारी विद्या सागर सोनकर ने कहा, 'ये यात्राएं राज्य के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेंगी। हम लोगों से जुड़ रहे हैं और उन्हें अपनी सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताएंगे।' पार्टी ने अभी तक उन नेताओं की घोषणा नहीं की है जो इन यात्राओं को हरी झंडी दिखाएंगे।सूत्रों ने बताया कि बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा के साथ प्रदेश पार्टी प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह और राज्य के चुनाव पैनल के प्रमुख धर्मेंद्र प्रधान यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।इस बीच, बीजेपी और उसकी सहयोगी निषाद पार्टी की संयुक्त रैली 17 दिसंबर को लखनऊ में होने वाली है। निषाद पार्टी के नेता और एमएलसी संजय निषाद ने कहा कि शाह उस रैली में शामिल होंगे जिसमें रिवरलाइन कम्युनिटी के सदस्यों, निषादों को अनुसूचित जाति (एससी) श्रेणी के तहत आरक्षण प्रदान करने की घोषणा की उम्मीद है।

दिल्ली विधानसभा में सुरंग के बाद मिला फांसी घर, स्पीकर रामनिवास बोले- जांच के बाद पता चलेगा

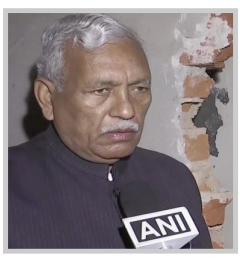

नेशनल डेस्क: दिल्ली विधानसभा के अंदर सुरंग के बाद अब फांसी घर (हैंगिग हाउस) मिला है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने बताया कि सुरंग खोजने के बाद (2016 में) फांसी के घर की भविष्यवाणी की गई थी। हमने एक खोखली दीवार को तोड़ा और पाया। मैं नहीं कह सकता कि नीचे क्या है, पुरातत्व विभाग का निरीक्षण और सूचित करूंगा। इससे पहले दिल्ली विधानसभा के अंदर एक सुरंग मिली थी, जिसके बारे में 5 फरवरी 2016 को पहली बार पता चला था। दिल्ली विधानसभा में एक गुप्त सुरंग खोजी गई जो 7 किलोमीटर लंबी है। यह सुरंग अंग्रेजों के जमाने की है। जब दिल्ली में देशभक्तों के रक्त से धरती लाल हो रही थी तब यही सुरंग थी जिससे देश के वीरों को फांसी देने के लिए लाया जाता था।

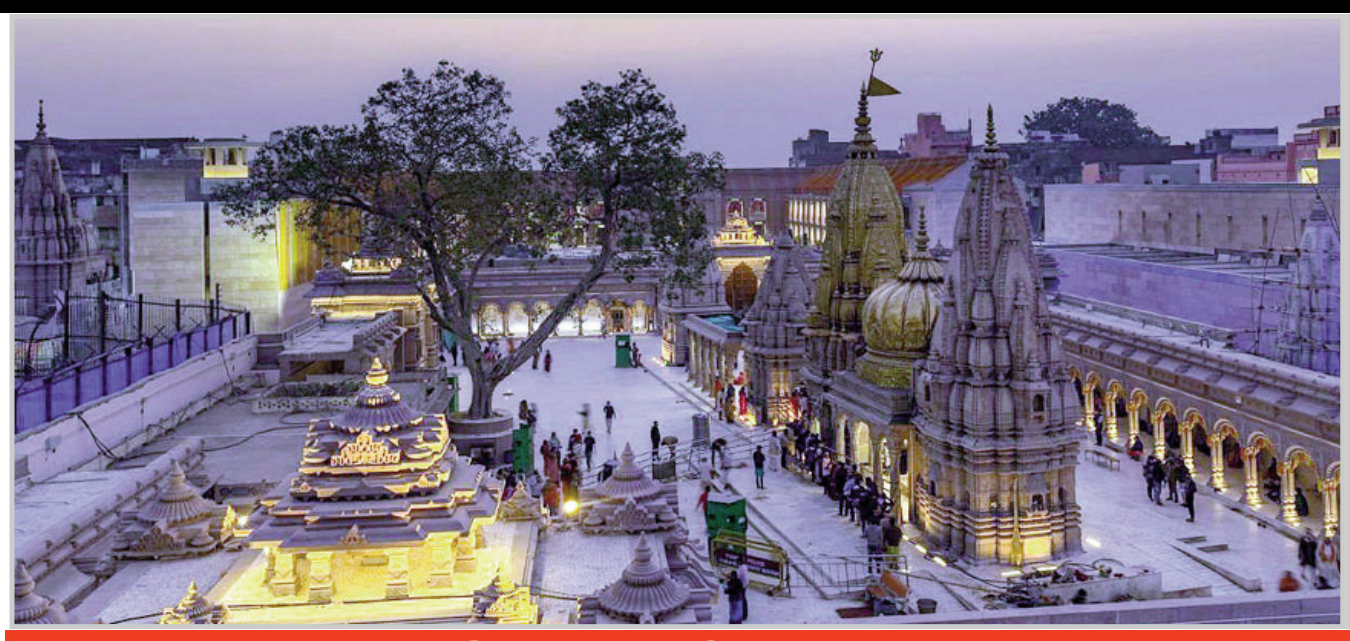

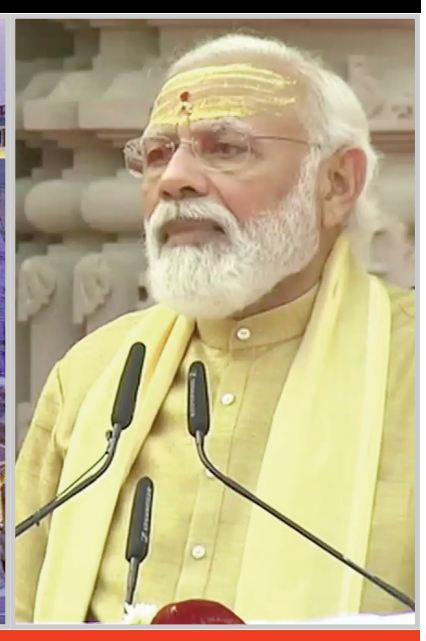

भारत में जब भी औरंगजेब पैदा हुआ, शिवाजी का भी उदय हुआ-मोदी

काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का लोकार्पण करने पर सीएम योगी ने पीएम मोदी का आभार जताया

वाराणसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम के कायाकल्प के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में जब भी औरंगजेब पैदा हुआ, तब इस मिट्टी से शिवाजी का भी उदय हुआ। यह देश, बाकी दुनिया से अलग है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम का पूरा नया परिसर केवल शानदार इमारत नहीं है बल्कि भारत की 'सनातन संस्कृति', हमारे अध्यात्म और भारती की प्राचीनता व परंपरा का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी की सभ्यता और विरासत की प्रशंसा की और कहा कि कई सल्तनतों का उदय और पतन हुआ, लेकिन बनारस बना रहा। उन्होंने कहा कि आक्रमणकारियों ने इस शहर पर हमला किया। इसे नष्ट करने की कोशिश की। औरंगजेब के अत्यचार और आतंक का इतिहास गवाह है। उसने कट्टरता से संस्कृति को दबाने की कोशिश की। लेकिन इस देश की मिट्टी बाकी दुनिया से अलग है। यहां अगर (मुगल सम्राट) औरंगजेब आया, तो (मराठा योद्धा) शिवाजी का भी उदय हुआ। उन्होंने कहा कि अगर सलार मसूद आगे बढ़ा तो राजा सुहेलदेव जैसे योद्धाओं ने इस देश की एकता की ताकत का उसे अहसास कराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मंदिर परिसर जो पहले मात्र 3000 वर्ग फुट का था, वह बढ़कर अब करीब पांच लाख वर्ग फुट हो गया है। अब 50 से 70 हजार श्रद्धालु मंदिर परिसर में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि नया इतिहास बना है और हमारा सौभाग्य है कि हम इसके गवाह बने हैं।अपने संसदीय क्षेत्र आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने काल भैरव मंदिर में पूजा अर्चना की और गंगा नदी में डुबकी लगाई। वह वहां से पवित्र गंगाजल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर आए। काशी विश्वनाथ धाम के उद्घाटन से पहले मोदी ने एक प्रार्थना समारोह में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने इस परियोजना में कार्य करने वाले मजदूरों पर उनके कार्य के लिए आभार व्यक्त करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। बाद में उन्होंने इन्हीं मजदूरों के साथ भोजन भी किया।

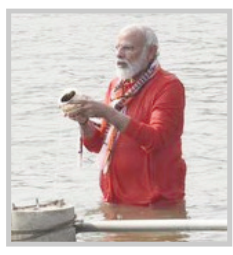

पहले मजदूरों पर फूलों की बारिश फिर उन्हीं के साथ पंगत में बैठकर पीएम मोदी ने किया भोजन

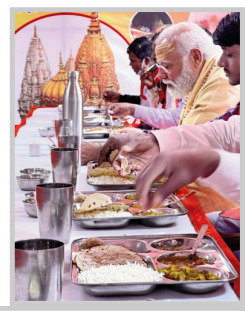

वाराणसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वनाथ धाम का लोकार्पण करने के साथ ही इसे बनाने वाले मजदूरों को खास सौगात दी है। ऐसे सौगात जिसे पाने की चाहत हर किसी की हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकार्पण से पहले काशी विश्वनाथ धाम बनाने वाले मजदूरों पर फूलों की वर्षा की। लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी ने दोपहर का भोजन मजदूरों के साथ किया। मजदूरों और आम लोगों की तरह पीएम मोदी ने भी पंगत में बैठकर भोजन किया। मजदूरों के साथ ही पीएम मोदी को भी चावल, दाल, रोटी, सब्जी, कड़ी और रायता परोसा गया। इसके साथ ही मिठाई के रूप में मेवे से बना लड्डू पीएम मोदी ने खाया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने मजदूरों को खासतौर पर श्रेय देते हुए कहा कि मैं आज हर उस श्रमिक भाई-बहनों का भी आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिनका पसीना इस इस भव्य परिसर के निर्माण में बहा है। कोरोना के इस विपरित काल में भी उन्होंने यहां पर काम रुकने नहीं दिया। इससे पहले बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करने के बाद पीएम मोदी सीधे मजदूरों के बीच पहुंचे। उन्होंने मजदूरों पर फूल बरसाए। इसके बाद उनके साथ बैठकर ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान उन्होंने अपने लिए लगाई गई कुर्सी भी हटवा दी। मजदूरों को इशारा करके अपने पास बुलवाया और उनके साथ फोटो खिंचवाई। प्रोटोकॉल तोड़कर आम लोगों के बीच पहुंचे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण करने वाराणसी पहुंचे पीएम मोदी बेहद अभिभूत नजर आए।

किसान आंदोलन के खत्म होने के बाद कुछ नेताओं ने पार्टी बनने की घोषणा की

नई दिल्ली ।

पूरे एक साल और 13 दिन बाद किसान आंदोलन को समाप्त नहीं किया गया, लेकिन स्थगित करने की घोषणा जरुर कर दी। दिल्ली के पास सिंघू बॉर्डर पर लगे किसानों के टेंट भी हट गए। संयुक्त किसान मोर्चा की घोषणा के बाद दिल्ली की सीमाओं को पूरी तरह से खोल दिया गया।सारे किसान दिल्ली की सीमाओं से अपने घर लौट चुके हैं। पूरे देश के मन में ये सवाल है कि किसान नेता आगे क्या करने वाले हैं, क्या आगामी उत्तरप्रदेश और पंजाब चुनाव में भी उनकी भागीदारी देखने को मिलेगी।क्या परोक्ष रूप से चुनावी मैदान में कुछ चेहरे नजर आएंगे। या फिर कृषि कानूनों की वापसी के फैसले के साथ ही वक्त के साथ नेपथ्य में चले जाएंगे। किसान नेताओं ने आंदोलन के समाप्त होने के बाद अपनी आगे की योजनाओं के लिए अलग-अलग संकेत दिए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से साफ किया गया हैं, आंदोलन खत्म नहीं हुआ स्थगित हुआ है। भारतीय किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि अगर सरकार किसानों की मांगों को पूरा नहीं करती,तब हम वापस आंदोलन करने को तैयार हैं। अगली बैठक अगले महीने की 15 तारीख को होगी।

वे इस दौरान हरियाणा सहित कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मिलने वाले हैं। वहीं किसान नेता बलवीर सिंह राजेवाल ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा बरकरार रहेगा। हर महीने 15 तारीख को बैठक होगी। किसानों के मुद्दे पर आंदोलन जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने अपना राजनीतिक दल बनाने का एलान कर दिया। गुरनाम सिंह ने साफ कर दिया है कि उनका मिशन पंजाब 2022 जारी रहेगा।

चढ़ूनी ने कहा कि वह पंजाब आने वाले चुनाव में अपनी पार्टी बनाकर चुनाव लड़वाएंगे और मॉडल प्रस्तुत करते हुए हरियाणा की भी तैयारी करने वाले हैं। लेकिन इसके साथ ही गुरनाम सिंह के मिशन पंजाब 2022 पर संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की ओर से सवाल खड़े किए गए। इस दौरान कई किसान नेताओं ने चढ़ूनी के प्रोग्राम से दूरी बनाकर राजनीतिक प्रोग्राम बताया।

हरनाज कौर संधू की जीत पर लोगों को भारत-इजरायल की दोस्ती का कनेक्शन

नई दिल्ली ।

भारत की हरनाज कौर संधू ने इजरायल में आयोजित 70वीं मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम कर लिया है।21 सालों बाद भारत की झोली में खिताब के आने से देशभर में खुशी की लहर है। हरनाज की जीत पर सबसे ज्यादा किसी देश की तरफ से बधाई संदेश मिल रहे हैं,तब वहां इजरायल है। ऐसा होने की एक वजह ये भी है कि मिस यूनिवर्स की प्रतियोगिता इजरायल में ही हुई है।जहां कुछ लोग इजरायल को भारत के लिए लकी बता रहे हैं, वहीं कई लोग भारत के खाते में मिस यूनिवर्स का ताज आने को लेकर भारत-इजरायल की दोस्ती का कनेक्शन भी तलाश कर रहे हैं। भारत-इजरायल संबंधों के जानकार एसोसिएट प्रोफेसर ने ट्वीट कर कहा है कि उनसे मिस यूनिवर्स में इजरायल कनेक्शन को लेकर काफी सवाल किए जा रहे हैं।उन्होंने इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि इस जीत का भारत और इजरायल के बीच बेहतर रणनीतिक संबंधों से कोई लेना-देना है।प्रोफेसर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए ट्वीट में लिखा, %मैंने कभी नहीं सोचा था कि लोग मुझसे मिस यूनिवर्स 2021 प्रतियोगिता के बारे में सवाल पूछने वाले हैं, तब मैं बता दूं कि मुझे नहीं लगता भारत और इजरायल के बीच बेहतर रणनीतिक संबंधों का इस जीत से कोई लेना-देना है, ये एक संयोग हो सकता है। आम लोगों के अलावा इजरायल के जाने-माने लोगों ने हरनाज को जीत की बधाई दी है।भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए एक ट्वीट में लिखा है,%मेजेल तोव (बधाई हो- हिब्रू में), मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने के लिए हरनाज कौर आपको बधाई हो।इजरायल में प्रतियोगिता का आयोजन भारत के लिए लकी साबित हुआ।

नेशनल कांफ्रेंस ने कहाकि वह राजनाथ सिंह के बयान से सहमत हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को मिला फारुक अब्दुल्ला का साथ देश का विभाजन बड़ी गलती थी

नई दिल्ली ।

धर्म के आधार पर भारत विभाजन को गलती बताने वाले राजनाथ सिंह को फारूक अब्दुल्ला का साथ मिला है। रक्षामंत्री के बयान से सहमति जताते हुए नेशनल कांफ्रेंस ने कहाकि वह राजनाथ सिंह के बयान से सहमत हैं। अब्दुल्ला ने कहाकि भारत विभाजन के चलते भारतीय मुसलमानों को तकलीफ उठानी पड़ती है। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहाकि वह राजनाथ सिंह के इस बयान से सहमत हैं कि देश का बंटवारा एक ऐतिहासिक गलती थी। उन्होंने दिल्ली में संसद के बाहर यह बात कही। अब्दुल्ला ने कहाकि इसके चलते भारतीय मुसलमानों को मुश्किलों से गुजरना पड़ रहा है। फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहाकि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाली लड़ाइयां देश में धार्मिक तनाव भी पैदा करती हैं। अगर भारत और पाकिस्तान एक देश होते तो इस तरह से तनाव से बचा जा सकता था। गौरतलब है कि 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के उपलक्ष्य में में %स्वर्णिम विजय पर्व% मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि 1971 के युद्ध ने दिखाया कि ब्रिटिश शासन से आजादी के समय धर्म के नाम पर भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक गलती थी। राजनाथ सिंह ने कहाकि पाकिस्तान का जन्म एक धर्म के नाम पर हुआ था, लेकिन इसके बावजूद यह एक नहीं रह सका था। बता दें कि 1971 के युद्ध में पाकिस्तान हार गया था, जिसके बाद अलग बांग्लादेश के रूप में अलग देश बना था।

केरल हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा,

आपको पीएम मोदी पर गर्व नहीं, लेकिन हमें अपने प्रधानमंत्री पर गर्व

कोच्चि।

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन की रोकथाम को लेकर मोदी सरकार तमाम कदम उठा रही है,जिसमें सभी को कोविड रोधी वैक्से सीन की दोनों खुराक देना शामिल है।लेकिन इसके बीच राजनीति भी जारी है। टीकाकरण के मामले का ऐसा ही वाक्या केरल हाईकोर्ट में सामने आया। रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को हटाने की मांग को लेकर केरल हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। उच्च न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई की जाए या नहीं इसका परीक्षण करते हुए सोमवार को याचिकाकर्ता से पूछ लिया कि क्या उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर शर्म आती है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री को इस देश की जनता ने चुना है,इसकारण टीकाकरण प्रमाणपत्र पर उनकी तस्वीर लगाने में क्या गलत है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से कहा कि अन्य देशों में ऐसी कोई प्रथा नहीं है,तब माननीय न्यायाधीश ने कहा, याचिकाकर्ता को अपने प्रधानमंत्री पर गर्व नहीं हो सकता है, लेकिन हमें अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है। अदालत ने याचिकाकर्ता से बड़े तल्ख सवाल पूछे। अदालत ने पूछा- आपको (याचिकाकर्ता) प्रधानमंत्री पर शर्म क्यों आती है? वह लोगों के जनादेश से सत्ता में आए है... हमारे अलग-अलग राजनीतिक विचार हो सकते हैं लेकिन वह अभी भी हमारे प्रधानमंत्री हैं। याचिकाकर्ता के वकील पीटर म्यालीपरम्पिल ने कहा कि वैक्सीन प्रमाण पत्र निजी दस्तावेज है जिसमें व्यक्तिगत विवरण दर्ज हैं। इसतरह के किसी व्यक्ति की गोपनीयता में दखल देना अनुचित है। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि वैक्से सीन प्रमाण-पत्र में प्रधानमंत्री की तस्वीर जोड़ना किसी व्यक्ति के निजी दस्तावेज में घुसपैठ है। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि देश के 100 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन सर्टिफिकेट पर पीएम मोदी की फोटो होने से कोई दिक्कत नहीं नजर आती फिर आप ऐसा क्यों चाहते हैं? अदालत ने कहा कि हम इसका परीक्षण करेंगे कि क्या याचिका में कोई दम है। यदि हमें ऐसा नहीं नजर आता तो हम इसका निपटारा करेंगे। एक घंटे से अधिक समय तक चली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि पीएम पर गर्व करना एक निजी पसंद है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com